राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 13 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-256 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

नोएडा-एनसीआर में हवा हुई दूषित, कई सेक्टरों में एक्युआई 400 से ऊपर

नोएडा नोएडा-एनसीआर की हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। बीते दिन सुबह कई सेक्टरों में एक्युआई 420 से ऊपर दर्ज किया गया, जो बहुत ही गंभीर श्रेणी मानी जाती है। ऐसे में कोई अस्थमा का मरीज, हार्ट पेशेंट, या प्रेग्नेंट महिला है तो थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी में बदल सकती है। प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक बारिश या ठंडी हवाओं के बिना फिलहाल हालात सुधरेंगे नहीं। मीडिया रिपोर्ट में डॉ. मीरा पाठक के हवाले से बताया गया है कि हाई पॉल्यूशन का मतलब सिर्फ हवा गंदी होना नहीं, बल्कि हवा में ऐसे केमिकल और कणों का बढ़ जाना है, जो सीधे शरीर की कोशिकाओं, हार्मोन्स और सांस की नलियों पर हमला करते हैं। यही वजह है कि इन दिनों खांसी-जुकाम, बुखार, सिरदर्द, सांस फूलना और आंखों में जलन जैसे मामले अस्पतालों में तेजी से बढ़ रहे हैं। पहला असर दिमाग पर पड़ता है, ब्रेन फॉग यानी दिमाग थका-थका, धीमा और उलझा हुआ महसूस होता है। बता दें बुधवार सुबह नोएडा में हवा की गुणवत्ता तेजी से गिरी। सेक्टर 76, 75, 74 और 78 की तरफ एक्युआई 424 दर्ज किया गया। वहीं सेक्टर 1, 2, 3, 5, 6 और 15 में भी यह स्तर 412 तक पहुंचा। इसके अलावा सेक्टर 125, 126 और 128 की तरफ 425 का स्तर रिकॉर्ड किया गया।

डीआरआई को ऑपरेशन बुलियन ब्लेज में सफलता, 11.88 किलो सोना और 8.72 किलो चांदी जब्त

मुख्य आरोपी सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया

मुंबई

मुंबई में डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने एक बड़े सोना तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। ऑपरेशन बुलियन ब्लेज के तहत की गई कार्रवाई में टीम ने 11.88 किलो सोना और 8.72 किलो चांदी जब्त की है। बरामद सोने की कीमत करीब 15.05 करोड़ और चांदी की कीमत 13.17 लाख रुपए आंकी गई है। पूरे मामले में डीआरआई ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड भी शामिल है। डीआरआई को खुफिया सूचना मिली थी कि मुंबई में कुछ स्थानों पर सोने की अवैध तस्करी और सोने को पिघलाने का काम चल रहा है। इस खुफिया सूचना के आधार पर 10 नवंबर को डीआरआई के अधिकारियों ने चार अलग-अलग जगहों पर एक साथ छापेमारी की, जिसमें अवैध सोना गलाने की दो भट्टियों और दो अपंजीकृत दुकानों पर कार्रवाई शामिल है। छापेमारी के दौरान दोनों भट्टियां पूरी तरह चालू हालत में मिलीं। वहां पर तस्करी किए गए सोने को पिघलाकर सोने की सिल्लियों में बदला जा रहा था। डीआरआई ने चारों ऑपरेटरों को हिरासत में लेकर 6.35 किलो सोना बरामद किया। इसके बाद टीम ने मास्टरमाइंड द्वारा इस्तेमाल हो रही दो दुकानों पर भी छापमारी की, जहां तस्करी का सोना प्राप्त किया जाता था और पिघलाने के बाद उसी सोने को स्थानीय बाजार में बेचा जाता था। इसमें से एक दुकान से अधिकारियों को अतिरिक्त 5.53 किलो सोना मिला। जांच में पता चला कि यह गिरोह बड़े पैमाने पर विदेशी सोने की तस्करी कर भारत में पिघलाकर बेच रहा था।

पीएम मोदी की डिग्री का मामला फिर सुर्खियों में.....दिल्ली हाईकोर्ट का डीयू को निर्देश

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री का मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) को निर्देश दिया कि अपील में देरी माफ करने की अर्जी पर अपना ऑब्जेक्शन तीन हफ्ते में दाखिल करें। यह अपीलें सीआईसी के 2016 के उस फैसले को चुनौती देती हैं, जिसमें मोदी की डिग्री की जानकारी सार्वजनिक करने का आदेश दिया गया था। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने सुनवाई की। अपीलकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील शादान फरासत ने दो मुख्य मुद्दे उठाए। पहला, क्या आरटीआई एक्ट की धारा 8 के तहत डिग्री की जानकारी छिपाई जा सकती है। दूसरा, क्या इस सार्वजनिक करना बड़े जनहित में है। कोर्ट ने नोट किया कि अपीलें देरी से दाखिल हुई हैं। डीयू की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वे देरी और मामले की योग्यता दोनों पर विस्तृत जवाब देने वाले है। बेंच ने कहा, ऑब्जेक्शन दाखिल करें। अपीलकर्ताओं को जवाब के लिए दो हफ्ते का समय मिलेगा। अगली सुनवाई 16 जनवरी 2026 को होगी। 25 अगस्त 2024 को जस्टिस सचिन दत्ता ने सीआईसी के दिसंबर 2016 के फैसले को रद्द कर दिया। सीआईसी ने डीयू को 1978 के सभी बीए पास छात्रों के रिकॉर्ड दिखाने का आदेश दिया था, जिसमें पीएम मोदी भी शामिल थे। जज ने कहा कि डिग्री और मार्कशीट निजी जानकारी हैं। इन्हें आरटीआई की धारा 8(1)(जे) के तहत संरक्षित रखा जाएगा। बिना बड़े जनहित के खुलासा नहीं हो सकता। यूनिवर्सिटी और छात्र का रिश्ता विश्वास पर आधारित है। थर्ड पार्टी को रिकॉर्ड दिखाना गोपनीयता का उल्लंघन होगा।

गेमचेंजर होगा चाबहार

नई डीलः भारत से पक्की दोस्ती निभा रहा अफगानिस्तान

नई दिल्ली

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है, जो भारत के रणनीतिक हितों को मजबूत कर रहे हैं। पहले टीएपीआई गैस पाइपलाइन को तुरंत पूरा करने का आदेश दिया, ताकि भारत तक सीधी गैस सप्लाई हो सके। अब तालिबान ने ईरान के साथ चाबहार पोर्ट पर ऐसी डील की है, जिससे विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी प्रसन्न होंगे। यह वही चाबहार है, जहां भारत ने करोड़ों रुपये निवेश कर विकास किया है। यह समझौता भारत के लिए गेमचेंजर साबित होने वाला है।

अफगान मीडिया के अनुसार, अफगान राजदूत फजल मोहम्मद हक्कानी ने ईरान के चाबहार फ्री ट्रेड जोन के निदेशक मोहम्मद सईद अरबाबी से मुलाकात की। इसमें कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। अफगानिस्तान चाबहार में अपना कार्यालय खोलेगा। अफगान-ईरान संयुक्त बैंक स्थापित करने का ऐलान हुआ। अफगान निवेशकों को ईरान में जमीन आवंटित होगी, लंबी अवधि के वीजा मिलेंगे। चाबहार-मिलाक रेलवे परियोजना शीघ्र पूरी करने पर सहमति बनी। यह डील ईरान-अफगानिस्तान तक सीमित नहीं; इसका सबसे बड़ा लाभ भारत को मिलेगा। भारत चाबहार को रणनीतिक लाइफलाइन मानता है। यह भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच त्रिकोणीय मित्रता का आधार है। चाबहार से पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक समुद्री व जमीनी पहुंच मिलती है। भारत ने पोर्ट विकास में 85 मिलियन डॉलर निवेश किए और संचालन में सक्रिय है। 2019-20 में यहीं से अफगानिस्तान को गेहूं व दवाइयां भेजी गईं।

ईरान-अफगान बैंकिंग चैनल से चाबहार व्यापार पारदर्शी होगा। स्थानीय मुद्रा (रियाल-अफगानी) में भुगतान संभव होगा, डॉलर निर्भरता कम। अमेरिकी प्रतिबंधों से बचाव मिलेगा। भारतीय कंपनियों को अफगान बाजार आसानी से होंगे। भारत-ईरान-अफगान व्यापार में डॉलर पेमेंट बाधा बनता है, लेकिन संयुक्त बैंक से रुपया-रियाल-अफगानी त्रि-मुद्रा निपटान प्रणाली बनेगी। भारतीय फर्मों को ट्रेड फाइनेंस, बीमा व निवेश गारंटी मिलेगी। वर्तमान में चाबहार से भारत अफगानिस्तान को खाद्यान्न, दवाइयां, सीमेंट, टेक्सटाइल निर्यात करता है, लेकिन भुगतान व्यवस्था कमजोर होने से व्यापार सीमित है। बैंक चालू होने पर भुगतान त्वरित, सुरक्षित होगा; क्रेडिट पत्र आसान। अमेरिका ने चाबहार पर भारत को अस्थायी छूट दी है। मानवीय-व्यापारिक उद्देश्य दिखाकर भारत प्रतिबंध बचाएगा, ईरान संबंध मजबूत रखेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि तेल सप्लाई रूट बनेगा। ईरान से तालिबान तेल खरीदेगा, फिर भारत को सप्लाई। यह ऊर्जा सुरक्षा का नया चैनल खोलेगा, सस्ते तेल की संभावना बढ़ेगी। अमेरिका अफगान स्थिरता के लिए चाबहार महत्वपूर्ण मानता है। भारत को वैकल्पिक कच्चा तेल स्रोत मिलेगा। भारत तालिबान को औपचारिक मान्यता नहीं देता, लेकिन मानवीय सहायता जारी रखता है। ईरान के जरिए तालिबान से कूटनीतिक चैनल खुलेगा, सुरक्षा व क्षेत्रीय हितों पर संवाद आसान।

कनाडा विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, द्विपक्षीय साझेदारी मजबूत करने पर की चर्चा

जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करने के लिए अनीता को दी बधाई

नियाग्रा

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नियाग्रा में जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की और द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने की आशा जताई। जयशंकर ने एक एक पोस्ट कर कहा कि उन्होंने जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी के लिए आनंद को बधाई दी और नए रोडमैप 2025 के कार्यान्वयन में प्रगति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हम अपनी द्विपक्षीय साझेदारी और मजबूत होने की आशा करते हैं।

आनंद ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर सहयोग के बारे में बातचीत की। वहीं विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री की भागीदारी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कनाडा ने जी-7 बैठक के लिए जिन साझेदार देशों को आमंत्रित किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन शामिल हैं। कनाडा ने पिछले सप्ताह कहा था कि जी-7 सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा और समृद्धि, आर्थिक लचीलापन, ऊर्जा सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों समेत वैश्विक आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा होगी। जयशंकर की कनाडा यात्रा आनंद की भारत यात्रा के एक महीने बाद हो रही है, जब दोनों पक्षों ने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने एक रोडमैप का अनावरण किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों ने वैश्विक आर्थिक वास्तविकताओं और एक-दूसरे की रणनीतिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए द्विपक्षीय व्यापार और निवेश पर जल्द मंत्रिस्तरीय चर्चा शुरू करने पर सहमति जताई थी।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, भारत के लिए विश्वस्तरीय घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की जरुरत

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के लिए एक मजबूत, भरोसेमंद और विश्वस्तरीय घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसी स्थापित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत जब विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब देश को अपनी विश्वस्तरीय रेटिंग एजेंसी स्थापित करनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचे के बावजूद, वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने लंबे समय तक भारत की रेटिंग नहीं बढ़ाई है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ विकास के चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, क्योंकि निवेशक, बैंक और व्यवसायी उनके द्वारा दी गई रेटिंग को निवेश, पूंजी प्रवाह, ऋण प्रवाह और व्यावसायिक विश्वास के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड मानते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ रेटिंग एजेंसियाँ भारतीय अर्थव्यवस्था में छोटी-मोटी गड़बड़ियों या बदलावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करती हैं, जिससे संकट के संकेत वास्तविकता से अधिक लगते हैं। मंत्री ने अपनी टीम से स्वदेशी रेटिंग एजेंसी (जैसे केयरएज) द्वारा की गई रेटिंग को प्रमुखता देने का आग्रह किया है।

भरूच की केमिकल कंपनी में भीषण विस्फोट में 3 की मौत

24 से ज्यादा घायल, कई की हालत गंभीर

भरूच

गुजरात के भरूच जिले के जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार देर रात एक केमिकल कंपनी में भीषण विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को भरूच के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 4 से 5 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, जीआईडीसी स्थित 'विशाल फार्मा' नामक कंपनी में मंगलवार बौर बुधवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे बॉयलर फटने से धमाका हुआ। विस्फोट इतना भीषण था कि पूरी फैक्ट्री में आग लग गई और आसपास की अन्य कंपनियों की खिड़कियां तक टूट गईं। घटना बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने घरों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि धमाके की आवाज करीब 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। बचाव और राहत कार्य जारी है, वहीं मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते तलाशी अभियान तेज कर दिया गया। प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई है। वहीं घटना के जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाएँ युवाः सिंधिया

नई दिल्ली

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इस कार्यक्रम की परिकल्पना करते समय सरकार ने इस बात का विशेष ध्यान रखा कि छात्र और छात्राओं, दोनों की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे कार्यक्रम समावेशिता और सशक्तिकरण का सशक्त प्रतीक बन सके।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अरुणाचल प्रदेश में चल रहे "अष्टलक्ष्मी दर्शन" युवा एक्सचेंज प्रोग्राम के पहले बैच के विद्यार्थियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। इस उद्घाटन चरण में गोवा के 19 और उत्तराखंड के 20 छात्र-छात्राएँ शामिल हुए, जिन्हें पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक विविधता को नज़दीक से देखने-समझने का अवसर मिला।

यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (DoNER) और नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल (NEC) द्वारा आयोजित एवं वित्तपोषित है। इसके तहत 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 1280 विद्यार्थी, 40 दलों में विभाजित होकर पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों का भ्रमण कर रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करना है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प का मूर्त रूप है। समान भागीदारी और सांस्कृतिक जुड़ाव की पहल सिंधिया ने कहा कि इस कार्यक्रम की परिकल्पना करते समय सरकार ने इस बात का विशेष ध्यान रखा कि छात्र और छात्राओं, दोनों की समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे कार्यक्रम समावेशिता और सशक्तिकरण का सशक्त प्रतीक बन सके।

प्री-बजट मीटिंगः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की एमएसएमई सेक्टर के प्रतिनिधियों से मुलाकात

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को तीसरी प्री-बजट बैठक की अध्यक्षता की और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रतिनिधियों के साथ आगामी बजट के इनपुट के लिए चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर थी। वित्त मंत्री मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रतिनिधियों के साथ तीसरी प्री-बजट बैठक की नई दिल्ली में अध्यक्षता की। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। प्री-बजट चर्चा के तहत सरकार आने वाले बजट के इनपुट के लिए इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों और अन्य पक्षकारों के साथ लगातार बैठक कर रही है। इससे पहले वित्त मंत्री ने किसान संगठनों और कृषि सेक्टर से जुड़े अर्थशास्त्रियों के साथ प्री-बजट बैठक की थी। दिन की शुरुआत में आई एसोचैम की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी राज्यों में एमएसएमई के लिए निवेश माहौल सुधारने में डिजिटलाइजड और समयबद्ध सिंगल विंडो क्लियरेंज सिस्टम एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। रिपोर्ट में व्यावसायिक नियमों को सरल बनाने, अनुमोदन प्रणालियों में सुधार लाने और भारत के एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुधारों में तेजी लाने की आवश्यकता जताई गई है। रिपोर्ट में कंपनी अधिनियम के तहत अनुपालन को आसान बनाने के लिए पंजीकृत एमएसएमई के लिए द्विवार्षिक या त्रैवार्षिक फाइलिंग साइकिल शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है।

इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आने वाले केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए देश के बड़े अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री-बजट बैठक की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किशोरों को सर्वाइकल कैंसर व सड़क दुर्घटनाओं से बचाने की एक सार्थक पहल!

स्वास्थ्य विषयों में संपादकों की रणनीतिक भागीदारी के लिए कार्यशाला कार्यशाला का विषय 'उभरती किशोर स्वास्थ्य चुनौतियां - सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि देश में साल 2022 में देश में सर्वाइकल कैंसर के लगभग 79,103 नए मामले दर्ज किए गए और 34,805 महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यु हुई – जबकि यह एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका जा सकता है।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

दुनिया के 180 देशों की मुश्किलों जगहों में वंचित बच्चों तक पहुंच बनाने और काम करने को समर्पित यूनिसेफ ने किशोरों को सर्वाइकल कैंसर व सड़क दुर्घटनाओं से बचाने हेतु जागृति हेतु नई पहल शुरू की है।

किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों पर मीडिया की भूमिका को सशक्त बनाने के उद्देश्य यूनिसेफ इंडिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ट्रेनर्स ऑफ ट्रेनर्स वर्कशॉप' हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुई है। वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में यूनिसेफ इंडिया की कम्युनिकेशन प्रमुख जाफरिन चौधरी ने कहा, 'युवा उन स्वास्थ्य मुद्दों पर सटीक जानकारी पाने के हकदार हैं, जो उन्हें और समाज को प्रभावित करते हैं। यह तभी संभव है जब वैज्ञानिक और चिकित्सीय जानकारी को मीडिया के जरिए सटीक और जिम्मेदारी से लोगों तक पहुंचाया जाए। गलत जानकारी से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका यही है। हमें सीखना, विश्लेषण करना और समझना होगा कि कैसे तकनीकी जानकारी को प्रस्तुत किया जाए ताकि लोग उसे समझें और उस पर भरोसा करें ।

उनका मानना था कि ' सर्वाइकल कैंसर, सड़क सुरक्षा और ऐसे कई अन्य मुद्दों पर जागरूकता को पत्रकारों में क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स' यानी तथ्यों की गहराई से जांचने की क्षमता के माध्यम से और बेहतर तरीके से समझाया व प्रसारित किया जा सकता है। वरिष्ठ संपादकों के मार्गदर्शन में इस दिशा में यूनिसेफ पिछले एक दशक से प्रयासरत है।

यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस के स्वास्थ्य प्रमुख (कार्यकारी) डॉ. विवेक वीरेंद्र सिंह ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर ऐसा एकमात्र कैंसर है जिसे वैक्सीन से रोका जा सकता है। जागरूकता इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। मीडिया समाज में व्याप्त झिझक और गलत धारणाओं को तोड़ने में अहम भूमिका निभा सकता है। अगर मीडिया इस विषय को वर्जित मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत करे तो महिलाएं समय पर मदद ले सकेंगी। हर सटीक और संवेदनशील खबर हमें उस भविष्य के और करीब ले जाती है, जहां कोई भी महिला एक रोकी जा सकने वाली बीमारी से अपनी जान न गंवाए। डॉ.विवेक वीरेंद्र सिंह ने कहा, 'हर दुर्घटना रोकी जा सकती है और मीडिया सड़क सुरक्षा को एक साझा सामाजिक और शासन के मुद्दे के रूप में फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिसके लिए त्रासदी के बाद की सहानुभूति के बजाय डेटा-आधारित जवाबदेही की आवश्यकता है। अगर मीडिया, नीति निर्माताओं और नागरिक डेटा प्लेटफॉर्म के बीच मजबूत तालमेल बना सके, तो सड़क सुरक्षा से जुड़ी खबरें रोकथाम, कानून के पालन और समानता पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगी'

स्वास्थ्य विषयों में संपादकों की रणनीतिक भागीदारी के लिए कार्यशाला कार्यशाला का विषय 'उभरती किशोर स्वास्थ्य चुनौतियां - सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि देश में साल 2022 में देश में सर्वाइकल कैंसर के लगभग 79,103 नए मामले दर्ज किए गए और 34,805 महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यु हुई – जबकि यह एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका जा सकता है। वहीं दूसरी ओर सड़क सुरक्षा पर एक विशेष सत्र में बताया गया कि भारत में हर साल 150,000 से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं, जिसमें बच्चे और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। वर्कशॉप में किशोर स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, खासतौर पर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मीडिया से अपनी भूमिका को और मजबूत करने का आह्वान किया गया।

वर्कशॉप में वरिष्ठ स्वास्थ्य संपादकों के साथ क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स' यानी तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग और रणनीतिक तरीके से स्टोरी पेश करने की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।इसका मकसद था किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर अधिक प्रभावी और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा दिया जा सके।

इस वर्कशॉप में पूरे भारत से वरिष्ठ संपादक, स्वास्थ्य पत्रकार, मीडिया एजुकेटर और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ एक साथ आए। इसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा पर तथ्यों पर आधारित, निरंतर और मानव-केंद्रित रिपोर्टिंग को मजबूत करना था । निस्संदेह, ये भारत की दो सबसे गंभीर, लेकिन कम रिपोर्ट की जाने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां हैं। प्रतिभागियों ने न्यूजरूम के भीतर की व्यवस्थागत बाधाओं की जांच की, गलत सूचनाओं का मुकाबला करने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की और साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों को लोगों की असली जिंदगी की कहानियों से जोड़ने के लिए रणनीतियां भी तैयार की।

यूनीसेफ की कम्युनिकेशन्स आफिसर सोनिया सरकार ने बताया कि एम्स के प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पल्लवी शुक्ला; निमहंस के डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के प्रमुख डॉ. गौतम एम. सुकुमार और

मध्य प्रदेश में यूनिसेफ के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिसर अनिल गुलाटी

ने भी वर्कशॉप में भाग लेने वाले संपादकों को संबोधित किया।

उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों ने छह संपादकीय समूहों में काम किया ताकि किशोरियों के स्वास्थ्य, खासकर सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की बेहतर कवरेज के लिए न्यूजरूम की रणनीतियां तैयार की जा सकें। संपादकों ने यह भी पता लगाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स डेटा विश्लेषण, शोध अनुवाद और तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग में कैसे मदद कर सकते हैं। साथ ही वैज्ञानिक शोध को क्षेत्रीय और भाषाई मीडिया के लिए सुलभ बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

यह वर्कशॉप क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स फ्रेमवर्क के अंतर्गत आयोजित की गई थी, जो यूनिसेफ समर्थित पहल है। इसे 2014 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शुरू किया गया था।

उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षित सलाहकार अब मास्टर ट्रेनर बनकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और कर्नाटक में पत्रकारों के लिए राज्य स्तरीय वर्कशॉप आयोजित करेंगे। ये गलत सूचनाओं को दूर करने, रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में सुधार करने और सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा पर जिम्मेदार, डेटा पर आधारित जानकारी को बढ़ावा देने के लिए भाषाई मीडिया की क्षमताओं को मजबूत करेंगे।ऐसी उम्मीद की जा रही है।(लेखक ज्वलंत मुद्दों के वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

बेमौत न मरें यात्री

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वत- संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ।लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह-जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए।

दया के रंग से जीवन की कहानी को दें नया साज़

-दिलीप कुमार पाठक)

(विश्व दयालुता दिवस 13 नवंबर 2025)

दया देने की आदत है, दूसरों का बोझ हल्का करने की इच्छा, या बस एक मददगार हाथ या रोने के लिए कंधा देने की इच्छा। यह हमें मानवीय बनाती है। यह हमें आध्यात्मिक रूप से ऊपर उठाती है। और यह हमारे लिए अच्छा है। -मदर टेरेसा

साल भर में कई जागरूकता दिवस, सप्ताह और महीने होते हैं, लेकिन इस नवंबर में मेरे लिए सबसे ख़ास है, क्योंकि 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस मनाया जाता है, इस अंतरराष्ट्रीय उत्सव का लक्ष्य सरल है। जिसमें ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करना है जहां हम सभी के लिए दयावान बनें। दयालुता को अपवाद के बजाय मानक बनाना, इस उत्सव में अक्सर दयालुता के कुछ अनोखे कार्य करने के लिए समय निकालना, उसे आगे बढ़ाने के नए तरीके खोजना और व्यक्तियों को उन कार्यों से जोड़ना होता है जिनके लिए उनकी उदारता की आवश्यकता होती है। विश्व दयालुता दिवस एक ऐसा समय है, जब हम रुककर याद करते हैं कि दयालुता व्यक्तियों और समुदायों के जीवन को समान रूप से स्वस्थ और रूपांतरित कर सकती है। जैसा कि कहा जाता है, ऐसी दुनिया में जहाँ आप कुछ भी हो सकते हैं, दयालु बनें।

विश्व दयालुता दिवस की शुरुआत साल 1998 में वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट संगठन द्वारा की गई थी, जिसकी स्थापना 1997 के टोक्यो सम्मेलन में दुनिया भर के दयालु संगठनों द्वारा की गई थी। यह कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है। 2009 में, सिंगापुर ने पहली बार यह दिन मनाया इटली और भारत ने भी यह दिन मनाया। ब्रिटेन में विश्व दयालुता दिवस की सह-स्थापना 2010 में हुई, जब दया-संगठन के संस्थापक डेविड जेमिली ने माइकल लॉयड-व्हाइट के अनुरोध पर इस पहल को आगे बढ़ाया। माइकल ने न्यू साउथ वेल्स फेडरेशन ऑफ़ पैरेंट्स एंड सिटिज़न्स एसोसिएशन को पत्र लिखकर एनएसडब्ल्यू शिक्षा मंत्री से इस दिन को स्कूल कैलेंडर में शामिल करने को कहा। इस सहयोग से ब्रिटेन में दया दिवस को आधिकारिक मान्यता मिली और हर साल 13 नवंबर को मनाया जाने लगा। साथ ही यूनेस्को की एक संस्था, यूनेस्को- एमजीआईईपी, विश्व दयालुता दिवस को बढ़ावा देने में सक्रिय रही है, खासकर युवाओं को सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के माध्यम से दयालुता और सहानुभूति के लिए प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करके काम कर रही है।

इस दिन, प्रतिभागी, व्यक्तिगत रूप से या संगठनों के रूप में, अच्छे कार्यों का जश्न मनाकर, उन्हें बढ़ावा देकर और दयालुता के कार्यों का संकल्प लेकर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का प्रयास करते हैं। दुर्भाग्य से, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति कलंक, हिंसा और ढेर सारे दुखों से ग्रस्त है। विश्व दयालुता दिवस वर्ष में एक ऐसा दिन है जब व्यक्ति दयालुता का अभ्यास करने और दूसरों के लिए अच्छे कार्यों का प्रसार करने के लिए अपनी क्षमता से आगे बढ़ सकते हैं। अपने शब्दों और व्यवहार के माध्यम से जानबूझकर दयालुता का अभ्यास करना आपकी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है। हमें अपने आचरण से अपनी अगली पीढ़ी को दयालु बनने की शिक्षा देनी चाहिए।

शोध से पता चला है कि दयालुता मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक, दोनों स्तरों पर खुशी और संतुष्टि से गहराई से जुड़ी हुई है। दयालुता कृतज्ञता, करुणा, सहानुभूति और आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देती है। दूसरों के प्रति दयालु होने से, दूसरों को भी दयालुता का बदला चुकाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। दयालुता का अभ्यास करने से दोस्ती और रिश्ते भी मज़बूत होते हैं, और आपके अपने सौभाग्य के प्रति जागरूकता बढ़ सकती है। शोधकर्ता बारबरा फ्रेडरिकसन के अनुसार, दयालुता तनाव को कम करने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मज़बूत करने और क्रोध, चिंता व अवसाद जैसी नकारात्मक भावनाओं को कम करने में भी मदद करती है।

दयालुता का मतलब यह नहीं है कि आपको पैसे खर्च करने पड़ें या मदद के लिए अपनी सीमा से बाहर जाना पड़े। दयालुता उन छोटे-छोटे कामों से भी हो सकती है जिनसे आप बिना समय निकाले दूसरों का बोझ हल्का कर सकें। ट्रैफ़िक में किसी को अपने आगे आने की अनुमति देना। बस, ट्रेन आदि पर बुजुर्गों, महिलाओ, बच्चों के लिए जगह छोड़ना, पड़ोसी से बात करने के लिए समय निकालना। अजनबियों और पड़ोसियों दोनों को नमस्ते कहना 'कृपया' और 'धन्यवाद' कहना। आसपास कूड़ा न फैलाना। किसी के लिए दरवाज़ा खुला रखना। किसी मित्र या अजनबी की अच्छी आदतों की प्रशंसा करना। अनावश्यक कपड़े और घरेलू सामान मुस्कुराते हुए दान करना। अपनी किराने का सामान खुद पैक करना। अपने समुदाय में किसी पशु आश्रय, नर्सिंग होम या इसी तरह के संगठन में स्वयंसेवा करें। किसी स्थानीय चैरिटी को दान देकर खुद एवं और लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, इस खास दिन हम संकल्प लें कि इस दुनिया को हम और भी सुन्दर, दयावान एवं करुणामयी बनाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावत- किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावत- किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है।

दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यं को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं।

जो संवेदनशील हैं, प्राय- वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्राय- असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्राय- औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है।

वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्राय- अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

विचार मंथन

वारेन बफेट ने बताए, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के 5 मंत्र

(लेखक - सनत जैन)

मृत्यु के बाद तक लोग याद रखें

बर्कशायर हेथवे कंपनी के चेयरमैन वारेन बुफेट दुनिया के सबसे बड़े निवेशक हैं। शेयर बाजार में उन्हें बाइबल की तरह पढ़ा जाता है। 93 वर्ष की उम्र में वह अपनी कंपनी के अध्यक्ष पद से विदाई ले रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपने शेयरधारकों को एक भावभीना पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने 5 ऐसे मंत्र बताए हैं, जिनके सहारे उन्होंने दुनिया में शेयर बाजार के कारोबार में भारी धन कमाया। वह धन को प्राथमिकता नहीं देते हैं। उनका कहना है, बुद्धिमत्ता और विश्वास के साथ उन्होंने संपूर्ण जीवन को जिया और निवेश किया है। उन्होंने इंसानियत को हमेशा सर्वोच्चता पर रखा है। उन्होंने पिछले माहों में करीब 3.4 लाख करोड रुपए के शेयर बेचकर नगदी के रूप में धन को रखा है। जिस तरह के हालात वे देख रहे हैं, उसे देखते हुए उन्होंने अपने शेयर बेचकर नगदी के रूप में धन जमा किया। उनके इस कदम को सारी दुनिया के कारोबारी आश्चर्य के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने सेवानिवृत्ति के अवसर पर आर्थिक और सामाजिक सफलता के लिए पांच मंत्रों का उल्लेख किया है। पहले मंत्र में उन्होंने कहा, फैसला गलत हो जाने पर कभी अपने आप को दोष मत दो। उनसे सबक सीखो और आगे बढ़ो। हर गलती एक सबक होती है, हार नहीं होती है। उन्होंने दूसरा मंत्र बताया, सही हीरो चुनो, उसके बताए हुए रास्ते पर चलने की कोशिश करो। जीवन में सही आदर्श चुनना और उसको फॉलो करना ही आपको आदर्श और बेहतर जिंदगी की ओर ले जा सकता है। बफ़ेट ने जिन्हें फॉलो किया था, उनमें उन्होंने मेंटर टॉम मर्फी को सबसे बेहतर इंसान बताया। सफलता के तीसरे सूत्र में उन्होंने कहा, की महानता, धन-ताकत और प्रसिद्धि से नहीं आती है। जब आप किसी की मदद करते हैं, आप दुनिया की मदद कर रहे होते हैं। जीवन की असली सफलता दूसरों की भलाई करने में है। सिर्फ मुनाफा कमाने से आप बड़े और महान नहीं बन सकते हैं। दयालुता की कोई कीमत नहीं होती है। दयालुता अनमोल रत्न है। बफेट ने अल्फ्रेड नोबेल की कहानी का उल्लेख करते हुए कहा, अगर आज तुम्हारी मृत्यु हो जाए। मृत्यु की सूचना पर आपके बारे में क्या लिखा जाएगा, ऐसा जीवन जीना चाहिए। जो उस सूचना और लिखे गए लेख को सही साबित करे। बफेट ने कहा कि पांचवा मंत्र है, सबके साथ बराबरी से पेश आओ। कोई भी व्यक्ति छोटा बड़ा नहीं होता है। सफाई करने वाला कर्मचारी भी इंसान है। वह भी अध्यक्ष की तरह सोचता है, और काम करता है। आपकी सफलता में ऐसे लोगों का सबसे बड़ा हाथ होता है। निवेश में धैर्य की जरूरत होती है। जीवन में ईमानदारी और सफलता ही सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। विनम्रता से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती है। जब आप बड़े आदमी होते हैं और विनम्र रहते हैं तभी आप जमीन से जुड़े हुए महान व्यक्ति के रूप में याद किए जाते हैं। वर्तमान में सारी दुनिया महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी की ओर आगे बढ़ रही है। शेयर बाजार में उन्होंने लाखों करोड़ों रुपए कमाए, सारी दुनिया उनको फॉलो करती थी, लेकिन वर्तमान समय में उन्होंने अपने शेयर बेचकर नगदी धन जमा करना शुरू कर दिया है। वारेन बफेट के अनुसार शेयर बाजार अपने सबसे बुरे दौर में जाने वाला है, जिसके पास नगद राशि रहेगी वही अपने धन को बचा पाएगा। शेयर बाजार में निवेश अब सुरक्षित नहीं रहा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद जिस तरह से दुनिया के देशों में कर्ज की बयार बही उसने सभी सरकारों, उद्योगपतियों, कारोबारियों और आम आदमियों को कर्ज के जाल में फंसा दिया है। पिछले 20 वर्षों में आर्थिक प्रगति कर्ज के आधार पर हुई है। अब यह कर्ज चुका पाने की स्थिति गड़बड़ा रही है। शेयर बाजार को पिछले 20 वर्षों में जिस तरह से कृत्रिम तरीके से बढ़ाया गया है, उसके कारण अब शेयर बाजार ही अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। 93 वर्ष की उम्र में जब उनकी कंपनी की नेटवर्क 13 लाख करोड रुपए की है उसे वह छोड़ने जा रहे हैं। उनका जीवन, उनका परिवार, दोस्त सादगी भरा जीवन और समय-समय पर उनके द्वारा जो दान किए गए हैं उसकी प्रशंसा सारी दुनिया में होती है। अर्थ जगत में वह सबसे प्रतिष्ठित और भरोसेमंद व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। उनके कंपनी के निवेशक उनके ऊपर आंख मूंच कर भरोसा करते रहे हैं। उन्होंने अपने निवेशकों का कभी विश्वास नहीं तोड़ा। उन्होंने 12000 करोड रुपए के 1800 शेयर्स दान में देने की घोषणा की। पैसे से पैसा कमाने वाले वारेन बफेट अपनी सादगी के लिए सारी दुनिया में जाने जाते हैं। वह उतना ही खर्च करते हैं जितना खर्च करने से उनका जीवन चल सके। उन्होंने कभी फिजूलखर्ची नहीं की। कर्ज की इकोनॉमी से हमेशा दूर रहे और उन्होंने अपना निवेश सोच समझकर लंबे समय तक के लिए उन कंपनियों में किया जो मुनाफा देने में सक्षम थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी टैरिफ के बाद अब जर्मनी में मंदी.....कानपुर के लेदर कारोबारी पर सीधा असर

कानपुर उत्तर प्रदेश के निर्यातकों के लिए साल 2025 चुनौतियों से भरा हुआ है। दरअसल अमेरिका की ओर से टैरिफ में किसी भी तरह की राहत न मिलने से कारोबार पर बुरा असर पड़ा है। पहले जहां अमेरिकी बाजार से सबसे अधिक ऑर्डर मिलते थे, अब वहां से मांग में भारी गिरावट आई है। बढ़े हुए टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद महंगे हो गए हैं, इसमें लेदर, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख सेक्टर सबसे ज्यादा मार पड़ी है। अमेरिका की चुनौतियों के बीच अब जर्मनी की मंदी ने भी निर्यातकों के माथे पर चिंता की लकीर ला दी है। यूरोप के सबसे बड़े बाजारों में से एक जर्मनी में मांग में आई भारी गिरावट ने कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। पहले जहां वहां से लगातार ऑर्डर मिलते थे, अब आर्थिक सुस्ती के कारण कंपनियों ने नए सौदे रोक दिए हैं। कानपुर का लेदर और हैंडीक्राफ्ट उद्योग इस असर को सबसे ज्यादा झेल रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (एफईईओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024-25 में अप्रैल से जुलाई तक यूपी से 3460 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, जबकि 2025-26 की इसी अवधि में यह केवल 3640 करोड़ रुपये तक पहुंच सका। यानी महज 180 करोड़ रुपये की मामूली बढ़ोतरी। जबकि पहले हर तिमाही में औसतन 500 करोड़ रुपये की वृद्धि होती थी। कानपुर की लेदर कारोबारी प्रेरणा वर्मा का कहना है कि अमेरिकी टैरिफ और जर्मनी की मंदी दोनों ने मिलकर कारोबार को बड़ा झटका दिया है। अब व्यापारियों को एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में नए मौके तलाशना होगा। आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने कहा कि अमेरिका और जर्मनी लंबे समय से प्रमुख निर्यात बाजार रहे हैं, लेकिन इस बार दोनों ओर से सुस्ती ने चिंता बढ़ा दी है।

इस साल प्रायमरी मार्केट के निवेशकों को भारी नुकसान

हर दूसरे आईपीओ से निवेशकों को नुकसान

मुंबई शेयर बाजार के निवेश मार्केट में प्राइमरी निवेशकों को आईपीओ में भारी झटका लगा है। जो भी नए आईपीओ आए हैं। उनमें से हर दूसरा आईपीओ लिस्टिंग प्राइस से नीचे पर कारोबार कर रहा है। जिसके कारण निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष 91 मेन बोर्ड के और 224, एसएमई के आईपीओ मार्केट में आए हैं। 306 कंपनियों में से 138 कंपनियों के शेयर इश्यू प्राइज से कम कीमत पर कारोबार कर रहे हैं। 45 फ़ीसदी निवेशकों को भारी घाटा उठाना पड़ा है। कई कंपनियां 79 फ़ीसदी इश्यू प्राइस से कम मूल्य पर कारोबार कर रही हैं। **'प्राइमरी निवेशक सतर्क रहें'** विदेशी निवेशक शेयर मार्केट से धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं। पहले जब आईपीओ आते थे। तब इन्हें 30 फ़ीसदी शेयर आवंटित होते थे। अब 2025 में यह आंकड़ा घटकर मात्र 20 फ़ीसदी रह गया है। विदेशी निवेशक शॉर्ट टर्म के लिए आते हैं। ऐसी स्थिति में छोटे निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। **'इश्यू प्राइज से नीचे कारोबार'** इस साल मेन बोर्ड में 111 आईपीओ की लिस्टिंग हुई। इसमें से 87 अभी भी इश्यू प्राइस से नीचे कारोबार कर रहे हैं। 42 शेयर 30 फ़ीसदी से लेकर 82 फीसदी तक नीचे कारोबार कर रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए आईपीओ अब छोटे निवेशकों के लिए सुरक्षित नहीं रहे। यह माना जा सकता है।

डिजिटल गोल्ड में निवेश सुरक्षित?

2025 में डिजिटल ई-गोल्ड में निवेश बेतहासा

मुंबई इन दिनों ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एप के जरिए ई गोल्ड पर निवेश बढ़ता चला जा रहा है। कई मोबाइल एप छोटे निवेशकों को ₹100 से शुरू होने वाले सोने पर निवेश के नाम पर लोगों को लुभा रहे हैं। इनमें बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। जिस तरह से छोटे निवेशकों को लुभाने के लिए कई डिजिटल कंपनियां इस क्षेत्र में आ गई हैं।इसमें कोई सुरक्षा नहीं है। आर्थिक विशेषज्ञ इसे सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया का भी मानना है, जो डिजिटल गोल्ड के प्रस्ताव सेबी के अधीन आते हैं।उन्हें तो सुरक्षित माना जा सकता है। लेकिन जो सेबी या शेयर बाजार में पंजीकृत नहीं है। उनके दावों पर यकीन नहीं किया जा सकता है। ई गोल्ड में निवेश के नाम पर पिछले 11 महीना में यह कारोबार दो गुना बढ़ गया है। यूपीआई से डिजिटल गोल्ड की खरीद बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जनवरी 2025 मे ई गोल्ड में जहां 690 करोड रुपए का निवेश था। वह सितंबर 2025 में बढ़कर 1508 करोड रुपए पर पहुंच गया है। जिस तरह से डिजिटल धोखेबाजी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ई गोल्ड के निवेशको को सावधान रहने की जरूरत है।

14 नवंबर से भारत मंडपम में शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

इस साल मेले का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत है, 14 दिन चलेगा

नई दिल्ली

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर यानी शुक्रवार से भारत मंडपम में शुरू होने जा रहा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात, चीन, ईरान, दक्षिण कोरिया और मिस्र समेत 12 देशों के विदेशी प्रदर्शक 14 दिन चलने वाले इस मेले में भाग लेंगे। इसमें कहा गया कि मेला, भारत के उद्योग की ताकत एवं उसके उत्पादों की गुणवत्ता प्रदर्शित करने का एक प्रमुख मंच है। इस साल मेले का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत है।

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बयान में कहा कि बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी 'साझेदार राज्य के रूप में भाग लेंगे जबकि झारखंड को 'फोकस राज्य के रूप में चुना गया है। मेले का समय सुबह 10 से शाम साढ़े सात बजे तक रहेगा। भैरों रोड की ओर तीन व चार और मथुरा रोड पर छह व 10 नंबर प्रवेश द्वार से लोग आवाजाही कर सकते हैं।

व्यावसायिक दिन 14 से 18 नवंबर के बाद इसे 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए खोला जाएगा।

चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी पर पहुंचने की उम्मीद

एनआईपीएफपी ने की आर्थिक समीक्षा

नई दिल्ली नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन होने से चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस साल अप्रैल की समीक्षा में इसने वित्त वर्ष 26 में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 6.8 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र में भारी निवेश, ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में घरेलू खपत की मांग बहाल होने, वस्तु एवं सेवा कर को युक्तिसंगत बनाए जाने और बाहरी क्षेत्र खासकर अमेरिका का प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद से भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज रहने की उम्मीद है। हालांकि वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त शोध संस्थान ने अपनी समीक्षा में दो वैकल्पिक परिदृश्य भी बताया है, जिसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर और उम्मीद से कमतर रहने की परिकल्पना की गई है। इसके मुताबिक अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी ऊपर रहता है, तो अर्थव्यवस्था 8.8 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी नीचे रहने पर वित्त वर्ष 2026 में आर्थिक वृद्धि दर 6 फीसदी रहने की संभावना है। इसके अलावा एनआईपीएफपी ने खाद्य महंगाई दर में कमी के कारण चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 1.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि खाद्य तेल की महंगाई दर ऊंची बनी हुई है और सोने और चांदी में देखी गई तेज मूल्य वृद्धि के कारण मुख्य महंगाई दर बढ़ रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 595, निफ्टी 180 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 595.19 अंक ऊपर आकर 84,466.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 180.85 अंक उछलकर 25,875.80 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान आईटी, फार्मा और ऑटो सेक्टरों में लगातार खरीदारी रही। आईटी और ऑटो दिग्गज शेयरों में भारी खरीदारी के बीच सूचकांक ने शुरुआती तेजी जारी रखते हुए 84,652.01 के इंट्रा-डे हाई तक पहुंचा।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी सरकार के शटआउट समाप्त होने की उम्मीद और फेड की शुरुआती कटौती की बढ़ती उम्मीदों से प्रेरित होकर, वैश्विक इक्विटी में नए सिरे से जोखिम उठाने की क्षमता के कारण बाजार में तेजी है। आज टाटा स्टील, टाटा मोटर्स पीवी और टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल नकारात्मक दायरे में बंद हुए। निफ्टी आईटी 738 अंक या 2.04 फीसदी, निफ्टी ऑटो 336 अंक या 1.24 फीसदी, निफ्टी बैंक 136 अंक या 0.23 फीसदीऔर निफ्टी वित्तीय सेवाएँ 82 अंक या 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार ने भी यही माहौल रहा। निफ्टी स्मॉलकैप 0.82 फीसदी, निफ्टी मिडकैप 0.79फीसदी और निफ्टी 100 0.61 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार में उछाल आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के एच1 बी वीजा को लेकर आये बयान के बाद भी आईटी शेयरों में बढ़त आई है। वहीं पीएसयू बैंकों में खरीदारी

ने भी बाजार में उत्साह का माहौल है। सुबह सेंसेक्स सुबह 323.89 अंक की बढ़त लेकर 84,195.21 पर था। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाल नैशनल स्टॉक एक्सचेंज सुबह 99.10 अंक बढ़कर 25,781 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं विदेशी बाजारों की बात करें तो बुधवार को एशियाई शेयर बाजारों में ज़्यादातर बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी सरकार के शटडाउन समाप्त होने की उम्मीद से भी बाजार को बल मिला है। जापान का निक्केई 225 0.26 फीसदी गिरा, जबकि टॉपिक्स 0.35 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी स्थिर रहा, लेकिन कोस्डैक 0.62 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.13 फीसदी बढ़ा, जो एशिया बाजारों में हल्के सकारात्मक रुझान का संकेत देता है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज ने एक नया रिकॉर्ड बनाया और 1.18 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.21 फीसदी की वृद्धि हुई पर नैस्डैक में 0.25 फीसदी की गिरावट आई।

लिस्टिंग के बाद इन शेयरों में आई करीब 2 फीसद की गिरावट

मुंबई टाटा मोटर्स की कमर्शियल इकाई के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 335 रुपए प्रति यूनिट पर लिस्ट हुए, जो कि डिस्कवरी प्राइस 260.75 रुपए प्रति यूनिट से 28.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर टाटा मोटर्स कमर्शियल वाहन के शेयर 330.25 रुपए प्रति यूनिट पर लिस्ट हुए, जो कि डिस्कवरी प्राइस 261.90 रुपए प्रति शेयर से 26.09 प्रतिशत था। हालांकि, लिस्टिंग के बाद शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। सुबह करीब 11:35 बजे, एनएसई पर शेयर 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 328.65 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल के शेयर 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 404.75 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। टाटा मोटर्स के बोर्ड ने पिछले साल अपने कमर्शियल वाहन और पैसेंजर वाहन कारोबार को बेहतर ऑपरेशनल एफिशिएंसी के लिए 1:1 के अनुपात में अलग-अलग लिस्ट करने का ऐलान किया था। यह डीमर्जर एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया है।

भारत की जीडीपी 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद

रेटिंग्स एजेंसी ने कहा- इसमें निजी खपत वृद्धि प्रमुख चालक होगी

नई दिल्ली

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी के 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। इसमें निजी खपत वृद्धि प्रमुख चालक होगी। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 5.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत के वास्तविक जीडीपी के चालू वित्त वर्ष में पांच तिमाहियों में सबसे तेज गति से 7.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। वास्तविक जीडीपी आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) 28 नवंबर को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के जीडीपी वृद्धि अनुमानों पर आधिकारिक आंकड़े जारी करेगा। उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर 7.2 फीसदी पर मजबूत बनी रहेगी। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के अर्थशास्त्री एवं कार्यकारी निदेशक पारस जसराय ने कहा कि मांग पक्ष से निजी खपत, उच्च तथा निम्न आय वाले परिवारों दोनों की स्थिर वास्तविक आय में बढ़ोतरी के कारण वृद्धि का एक प्रमुख चालक है।

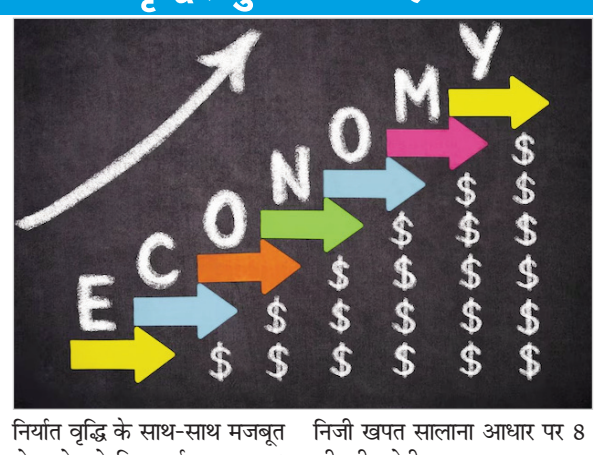

उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में अनुकूल आधार-आधारित माल निर्यात वृद्धि के साथ-साथ मजबूत सेवा क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में आपूर्ति पक्ष से जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा दिया। एजेंसी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में निजी खपत सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़ेगी।

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह सात फीसदी और दूसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रही थी।

छोटी इलेक्ट्रिक कार के लिए पेटेंट फाइल किया ओला इलेक्ट्रिक ने

नई दिल्ली ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक छोटी इलेक्ट्रिक कार के लिए पेटेंट फाइल किया है। ओला अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर से आगे बढ़कर ई4डब्ल्यू (इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर) सेगमेंट में प्रवेश करने जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह नई कार एक कॉम्पैक्ट 5-डोर हैचबैक होगी, जिसे एमजी कार्नेट ईवी, टाटा टियागो ईवी और विनफास्ट मिनियो ग्रीन जैसी कारों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। पेटेंट डिजाइन में कार का साइज छोटा लेकिन आधुनिक और व्यावहारिक दिखता है। यह कार ओला के जेन 4 मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसे कंपनी ने 'संकल्प 2025' इवेंट में पेश किया था। यह प्लेटफॉर्म स्कूटर, थ्री-व्हीलर और कार सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों को सपोर्ट करेगा। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रही है स्थानीय ईवी बैटरी सेल निर्माण की कमी। ओला इलेक्ट्रिक ने इस दिशा में भी कदम बढ़ाते हुए भारत में ही बने 4680 सीरीज सेल दिखाए हैं, जिनमें एनएमसी कंपोजीशन होने की संभावना है। इससे कंपनी को न केवल लागत में कमी मिलेगी, बल्कि 'मेड इन इंडिया' ईवी बनाने की दिशा में मजबूती भी मिलेगी। ओला ने अपनी एस1 सीरीज स्कूटर से भारतीय ईवी बाजार में नई हलचल मचाई थी, लेकिन आफ्टरसेल्स सर्विस और भरोसे को लेकर कंपनी को चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

टोरेंट पावर कंपनी का नेट प्रॉफिट 50 फीसदी बढ़कर 741.55 करोड़ हुआ

नई दिल्ली

टोरेंट ग्रुप की इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी टोरेंट पावर ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट करीब 50 फीसदी बढ़कर 741.55 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 495.72 करोड़ रुपए रहा था। टोरेंट पावर ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि दूसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,953.91 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,300.51 करोड़ रुपए थी।

उत्पादन कारोबार से रेवेन्यू जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 1,833.55 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,420.92 करोड़ रुपए हो गया। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 6,596.61 करोड़ रुपए से घटकर 6,367.83 करोड़ रुपए रह गया।

इस तिमाही में रिन्यूएबल एनर्जी से रेवन्यू बढ़कर 326.62 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 291.15 करोड़ रुपए था। टोरेंट पावर, करीब 45,000 करोड़ रुपए के टोरेंट ग्रुप की 29,165 करोड़ रुपए की इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी है जो देश के पावर सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसकी उपस्थिति संपूर्ण विद्युत मूल्य श्रृंखला- उत्पादन, पारेषण व वितरण में है।

कंपनी गुजरात में अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, दाहेज एसईजेड और धोलेरा एसआईआर, संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन व दीव, महाराष्ट्र में भिवंडी, शिल, मुंब्रा व कलवा तथा यूपी में आगरा जैसे शहरों में करीब 42.1 लाख ग्राहकों को करीब 31 अरब यूनिट वितरित करती है।

टाटा ग्रुप में नई पीढ़ी की एंट्री, नेविल और भास्कर को नियुक्त किया नया ट्रस्टी

नई दिल्ली

टाटा समूह के दो मुख्य ट्रस्टों में से एक, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा और टाटा समूह के अनुभवी भास्कर भट्ट को तीन साल की अवधि के लिए नया ट्रस्टी नियुक्त किया है। विश्लेषकों का कहना है कि नेविल की नियुक्ति से नोएल टाटा का ग्रुप पर प्रभाव और मजबूत हुआ है। नेविल टाटा, जो अभी बिज़नेस हेड हैं, पहले से ही कई टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में ट्रस्टी हैं। उनकी उम्र 32 साल है और उन्हें ट्रस्ट में एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधि माना जा रहा है।

हाल ही में टाटा ट्रस्ट्स ने ट्रस्टी के लिए आजीवन कार्यकाल की नीति अपनाई थी, लेकिन इसके बावजूद नेविल टाटा और भास्कर भट्ट को केवल तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया है। इसी तरह उद्योगपति वेनू श्रीनिवासन को भी सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में तीन साल के लिए ट्रस्टी नियुक्त किया गया है। उन्हें ट्रस्ट का वाइस चेयरमैन भी बनाया गया है। ट्रस्ट के एक बयान के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार के एक हालिया अध्यादेश के तहत ट्रस्टी का कार्यकाल अब अधिकतम पांच साल तक सीमित कर दिया गया है। इस वजह से ट्रस्ट ने तीन साल का कार्यकाल तय किया है।

नेविल टाटा का नाम वकील दरियस खंबाटा ने प्रस्तावित किया था, जिसे सभी ट्रस्टियों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी। वहीं भास्कर भट्ट का नाम वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने रखा था, जिसका समर्थन सभी ने किया, जिनमें प्रमीत झावेरी भी शामिल हैं। ये नई नियुक्तियां 12 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगी।

दिलचस्प बात यह है कि नेविल की नियुक्ति को मंजूरी नोएल टाटा के जन्मदिन से एक दिन पहले मिली। बताया जा रहा है कि यह कदम रतन टाटा के पुराने विजन का हिस्सा था। उन्होंने नेविल को टाटा ट्रस्ट्स में शामिल कर भविष्य का नेतृत्व सौंपने की इच्छा जताई थी। जनवरी 2026 में नेविल को सर रतन टाटा ट्रस्ट में भी ट्रस्टी बनाए जाने की संभावना है।

ट्रस्ट ने अपनी एग्जीक्यूटिव कमेटी को भंग कर दिया है। अब टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा सीधे चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे। वर्तमान में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 28 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि सर रतन टाटा ट्रस्ट की हिस्सेदारी लगभग 24 फीसदी है।

मारुति स्विफ्ट पर मिल रहा 57,000 रुपए तक डिस्काउंट

नई दिल्ली

नवंबर महीने में मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए बेहतरीन ऑफर पेश किया है। अक्टूबर में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करने के बाद, अब कंपनी नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यह विशेष ऑफर लेकर आई है। कंपनी मारुति स्विफ्ट पर 57,000 रुपए तक का डिस्काउंट दे रही है। यह छूट इसके पेट्रोल, एएमटी और सीएनजी वैरिएंट्स पर लागू है। मारुति स्विफ्ट के झेडएक्सआई और वीएक्सआई (पेट्रोल एमटी, एएमटी और सीएनजी) वैरिएंट्स पर रुपए 57,100 तक का अधिकतम डिस्काउंट मिल रहा है, जबकि एलएक्सआई ट्रिम पर रुपए 37,100 तक की छूट दी जा रही है। इस ऑफर में रुपए 10,000 का कैश डिस्काउंट, रुपए 15,000 का एक्सचेंज बोनस या रुपए 25,000 का स्क्रैपेज बोनस शामिल है। इसके साथ ही रुपए 2,100 तक के अतिरिक्त लाभ भी ग्राहकों को मिल सकते हैं। नई स्विफ्ट की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 5.78 लाख से रुपए8.64 लाख तक जाती है, जिससे यह डील और आकर्षक बन गई है। नई स्विफ्ट में कंपनी ने 1.2 लीटर झेड12ई 3-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया है, जो 80 बीएचपी की पावर और 112एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें माइल्ड हाइब्रिड सिस्टम भी जोड़ा गया है, जो माइलेज बढ़ाने में मदद करता है। कंपनी का दावा है कि इसके मैनुअल वर्जन का माइलेज 24.80 केएमपीएल और ऑटोमैटिक (एएमटी) वर्जन का माइलेज 25.75केएमपीएल तक है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले, रियर एसी वेंट्स, डुअल चार्जिंग पोर्ट्स और वायरलेस चार्जर जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

अक्टूबर में एसआईपी निवेश 29,529 करोड़ के ऑलटाइम हाई पर पहुंचा

खुदरा निवेशक अब कहीं ज्यादा समझदार और स्थिर हो गए

नई दिल्ली

इक्विटी म्युचुअल फंड में अक्टूबर के दौरान लगातार तीसरे महीने निवेश घटा है। इसके बावजूद सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेशक म्युचुअल फंड्स में ताबड़तोड़ पैसा लगा रहे हैं और यह पिछले महीने 29,500 करोड़ के रिकॉर्ड ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। सितंबर में एसआईपी के जरिए 29,361 करोड़ रुपए का निवेश आया था। अगस्त में यह आंकड़ा 28,265 करोड़ रुपए था। जबकि, इक्विटी फंड्स में इनफ्लो मासिक आधार पर 19 फीसदी घटकर 24,690 करोड़ रुपए रह गया। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि वैश्विक व्यापार की चिंताओं के बाजार में दिख रहे असर के बीच रिटेल निवेशक अनुशासित रहे और एसआईपी में निवेश बनाए रखा।

खातों के हिसाब से देखें तो एक्टिव एसआईपी अकाउंट बढ़कर 9.45 करोड़ हो गए, जो सितंबर में 9.25 करोड़ रुपए थे। अगस्त में यह संख्या 8.99 करोड़ थी। वहीं, कुल एसआईपी खातों की संख्या बढ़कर 9.88 करोड़ पहुंच गई, जो सितंबर में 9.73 करोड़ थी। यह बढ़ोतरी करीब 60 लाख नए खातों के जुड़ने और करीब 45 लाख खातों के बंद होने के बाद दर्ज की गई। मिरे असेट इनवेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) की हेड ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन एंड स्ट्रैटेजिक अलायंसेज ने कहा कि सबसे उत्साहजनक बात यह है कि एसआईपी इनफ्लो की मजबूती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि खुदरा निवेशक अब कहीं ज्यादा समझदार और स्थिर हो गए हैं। वे बाजार के छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी लंबी अवधि के निवेश लक्ष्यों पर टिके हैं। हमारा मानना है कि निवेशकों को अपने एसआईपी जारी रखने चाहिए, क्योंकि बाजार के चक्रों के दौरान निवेशित रहना ही समय के साथ संपत्ति बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

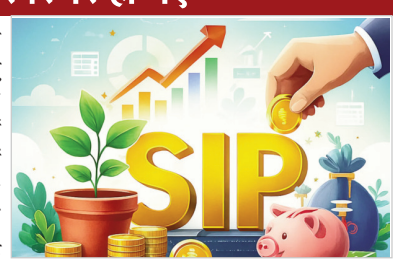

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा ट्रांसफर : जडेजा लौट सकते हैं राजस्थान रॉयल्स, संजू सैमसन होंगे सीएसके के नए स्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी ट्रांसफर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपने करियर की शुरुआत करने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स (RR) में वापसी करने वाले हैं। इस संभावित मेगा डील के तहत राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन CSK का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि जडेजा को RR में कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे यह सौदा IPL इतिहास के सबसे चर्चित ट्रेड में से एक बन जाएगा।

जडेजा की 'घर वापसी' - नेतृत्व के नए अवसर

रिपोर्ट के मुताबिक, 37 वर्षीय रवींद्र जडेजा अपने करियर के अंतिम चरण में कप्तानी की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने IPL 2008 में राजस्थान रॉयल्स से ही अपने सफर की शुरुआत की थी और 2008 के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी। जडेजा ने 2012 में CSK जॉइन किया और अगले 13 सीजन में 2198 रन और 143 विकेट झटके, जिससे टीम ने तीन खिताब अपने नाम किए। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन का मानना है कि उनके अनुभव से टीम को स्थिरता और दिशा मिलेगी, खासकर रियान पराग और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ।

क्यों राजस्थान को चाहिए जडेजा जैसा कप्तान

संजू सैमसन के नेतृत्व में राजस्थान ने कुछ अच्छे सीज़न जरूर खेले, लेकिन पिछले दो वर्षों में निरंतरता की कमी रही है। अब टीम एक ऐसे कप्तान की तलाश में है जो युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे सके और दबाव के पलों में शांत रह सके और जडेजा इस भूमिका के लिए एकदम उपयुक्त हैं। सूत्रों के मुताबिक, जडेजा को 'लीडरशिप रोल' देने की चर्चा चल रही है ताकि वे ड्रेसिंग रूम में संतुलन और आत्मविश्वास ला सकें।

संजू सैमसन की नई शुरुआत - धोनी के वारिस के रूप में

दूसरी ओर संजू सैमसन का चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होना फैंस के लिए बेहद रोमांचक खबर है। हालाँकि MS धोनी अब धीरे-धीरे टीम से पीछे हटने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन CSK फिलहाल रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाए रखेगी। संजू को धोनी के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, जो टीम में नई ऊर्जा और टॉप ऑर्डर में स्थिरता लाएंगे। सैमसन के पास अब IPL की सबसे सफल फ्रैंचाइज़ी के साथ खुद को एक लीडर के रूप में साबित करने का मौका होगा।

सैम कुरेन भी होंगे सौदे का हिस्सा

इस डील का एक और बड़ा पहलू यह है कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन भी ट्रेड में जा सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह ट्रेड तीन खिलाड़ियों वाला मेगा सौदा बन जाएगा, जडेजा और कुरेन राजस्थान की ओर, जबकि सैमसन चेन्नई की ओर रुख करेंगे। यह ट्रांसफर IPL इतिहास में सबसे जटिल और चर्चित सौदों में गिना जा सकता है।

आधिकारिक ऐलान जल्द - 15 नवंबर तक रिटेंशन सूची

सभी IPL टीमें दिसंबर में होने वाली मिनी ऑक्शन से पहले 15 नवंबर तक अपने रिटेंशन फाइनल करेंगी। उम्मीद है कि इसी अवधि में जडेजा-सैमसन ट्रेड की आधिकारिक घोषणा भी की जाएगी। अगर यह डील पक्की होती है, तो IPL 2026 सीज़न की शुरुआत से पहले ही लीग में जबरदस्त उत्साह देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने शैफाली को 1.5 करोड़ रुपए की इनामी राशि का चेक सौंपा

-महिला आयोग ने ब्रांड एंबेसडर बनाया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को हरियाणा सरकार ने 1.5 करोड़ रुपए इनाम दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शेफाली को इनामी राशि का चेक सौंपा। इसके साथही उन्हें अवॉर्ड और ग्रेड-ए प्रमाणपत्र भी दिया गया । वहीं शैफाली को हरियाणा महिला आयोग ने अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस अवसर पर शेफाली ने कहा, यह केवल हमारी टीम की जीत नहीं, बल्कि पूरी महिला क्रिकेट की जीत है। हमारी टीम फाइनल में जीती, इसकी खुशी है। मुख्यमंत्री से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। हरियाणा में सरकार से खिलाड़ियों को काफी समर्थन मिलता है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद काफी आत्मविश्वास का अनुभव कर रही हूं। मैं हरियाणा के खिलाड़ियों से कहना चाहूंगी कि आप अच्छी मेहनत कीजिए। राज्य सरकार हमेशा खिलाड़ियों का सहयोग करती है। वहीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा, शेफाली वर्मा हमारे देश और हमारे राज्य की सुपरस्टार हैं। हम चाहते हैं कि वह 2026 के लिए महिला आयोग की ब्रांड एंबेसडर बनकर युवाओं के लिए हमारे मिशन को बढ़ावा दें। अन्य महिला एथलीट्स के साथ, वह युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से बचने, एक उज्ज्वल भविष्य बनाने और राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगी।

शेफाली को महिला विश्व कप 2025 के लिए भारत की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया था पर सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम में जगह मिली थी। शेफाली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 87 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

मुझे पूरा विश्वास है कि हम यहां इतिहास रच सकते हैं, भारत के खिलाफ सीरीज से पहले बोले शुक्री कॉनराड

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड को उम्मीद है कि केशव महाराज, सेनुरन मुथुस्वामी और साइमन हार्मर की उनकी स्पिन तिकड़ी भारत के अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी और उनकी टीम दो मैच की टेस्ट श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने में सफल रहेगी। उन्होंने इस श्रृंखला की तुलना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से की।

पहला टेस्ट मैच शुक्रवार से ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा जबकि गुवाहाटी 22 नवंबर से अपने पहले टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने हाल में पाकिस्तान दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था और वह भारत के खिलाफ भी ऐसा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कॉनराड ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'क्या आपकी टीम में अच्छे स्पिनर होने से पूरे मुकाबले का रोमांच बढ़ जाता है। मेरा जवाब है हां। मुझे लगता है कि इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलता है।'

उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अतीत में हमारे पास अच्छे स्पिनर नहीं थे, लेकिन हमें निश्चित रूप से लगता है कि अब केशव, साइमन और सेन के रूप में हमारे पास बेहतर स्पिनर हैं। अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो हम महसूस करेंगे कि हमारे पास भारत को चुनौती देने के लिए पर्याप्त मारक क्षमता है। हमें पूरा विश्वास है कि हम ईडन गार्डन्स और भारत में नया इतिहास रच सकते हैं।'

अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 12 टीमें और एकदिवसीय सुपर लीग शुरु करने की सिफारिश

दुबई (एजेंसी)। अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2027-29 चरण में सभी 12 पूर्णकालिक सदस्य एक ही डिवीजन में शामिल करने और एकदिवसीय सुपर लीग फिर से शुरु करने की सिफारिश की गई है। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज की अगुवाई में एक कार्य समूह ने पिछले हफ्ते दुबई में हुई तिमाही बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड और मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) को इस संदर्भ में अपनी सिफारिशें सौंपी।

इस समूह को को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से जुड़े जरूरी मुद्दों पर ध्यान देने का काम सौंपा गया है। कार्य समूह ने अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2027-29) चक्र के लिए सभी 12 पूर्णकालिक सदस्यों की एक स्तरीय प्रणाली लागू करने की सिफारिश की गई। अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और आयरलैंड के अगले चक्र में शामिल होने की संभावना है। इस दौरान सदस्य देशों के साथ द्वि-स्तीय प्रणाली पर व्यापक चर्चा हुई।

श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों ने द्वि-स्तरीय प्रणाली का विरोध करते हुए कहा कि अगर बड़े देशों के खिलाफ मैच नहीं हुए तो उनके बोर्ड पैसे नहीं कमा पाएगा। अभी केवल 9 देश विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खेल रहे है। बोर्ड के एक निदेशक ने बताया, 'इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है। जो लोग वास्तव में इस प्रारूप में खेलना चाहते हैं, उनके पास अब अवसर हैं और अन्य टीमों के लिए भी उन्हें खेलने का प्रोत्साहन है।' इसके अलावा 2023 में रद्द हुई एकदिवसीय सुपर लीग को फिर से शुरू की सिफारिश की गई। 13 टीमों की यह लीग जुलाई 2020 में ही शुरू हुई थी। कार्य समूह के प्रस्ताव में यह नहीं बताया गया है कि 2028 में फिर शुरु होने वाली लीग में कितनी टीमें हिस्सा लेंगी। ऐसा माना जा रहा है कि 50 ओवरों के विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाने पर कोई जोर नहीं दिया जा रहा है। 2027 में यह प्रतियोगिता 14 टीमों की होगी, जबकि पिछले दो संस्करणों में यह केवल दस टीमों तक सीमित थी।

टी20 विश्व कप में भी 20 टीमें ही रहेंगी, हालांकि कुछ प्रशासक धीरे-धीरे इसमें चार टीमें बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं, जिसका लक्ष्य अंतत- 32 टीमों तक पहुंचना है। एसोसिएट सदस्यों ने टी-20 विश्व कप क्वालीफाइंग प्रारूप में बदलाव का प्रस्ताव भी रखा है। फिलहाल कुछ टीमों की एंट्री रैंकिंग के आधार पर होती है, इसे बदलकर सभी टीमों को क्वालिफायर राउंड में शामिल करना चाहिए। इन सब के बावजूद आईसीसी ने टी-10 को क्रिकेट को आधिकारिक प्रारुप नहीं माना। बोर्ड अगले साल की शुरुआत में होने वाली आईसीसी की अगली बैठकों में इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

लक्ष्य सेन कुमामोतो मास्टर्स में जीते, कोकी वतानबे को सीधे सेटों में हराया

कुमामोतो (जापान)। भारत के लक्ष्य सेन ने बुधवार को यहां कोकी वतानबे को सीधे गेम में हराकर कुमामोतो मास्टर्स जापान बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाई। सातवें वरीय लक्ष्य ने जापान के दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी सिर्फ 39 मिनट में 21-12 21-16 से हराया। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य अगले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन और कनाडा के विक्टर लेई के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। भारत के किरण जॉर्ज को हालांकि मलेशिया के जिंग होंग कोक के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 20-22 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी ने प्रेस्ले स्मिथ और जेनी गेई की अमेरिका की जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन इसके बावजूद भारतीय जोड़ी को तीन गेम में 12-21 21-19 20-22 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है रोहित के नाम

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में दोनो ही टीमों की नजरें जीत दर्ज करने पर रहेंगी। अभी तक के रिकार्ड को देखें तो दोनो के बीच कुल 44 मैच खेले गए हैं जिसमें अब तक सबसे अधिक 500 रनों का रिकार्ड रोहित शर्मा का है, अब देखना है कि इस सीरीज में कौन रोहित के रिकार्ड को तोड़ पाता है। रोहित ने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में ये रिकार्ड बनाया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 के औसत से 529 रन बनाए थे। इस सीरीज में रोहित ने चार पारियों में 3 शतक लगाए थे। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। जिसमें रोहित ने पहली पारी में 244 गेंदों पर 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें रोहित ने 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली 254 और मयंक अग्रवाल 108 की शानदार पारियों से भारतीय टीम ने ये मुकाबला जीता था।सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए थे। इस मैच को भारतीय टीम ने पारी और 202 रन से जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है अब देखना है कि कौन सा खिलाड़ी सबसे अधिक रनों का उनका रिकार्ड तोड़ पाता है।

इस्लामाबाद में आत्मघाती बम विस्फोट, बढ़ाई गई श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस देश के दौरे पर आई श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम के अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन दिया। नकवी पाकिस्तान के गृहमंत्री भी हैं।

पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष रूप से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर एक बार फिर आरोप लगाया है कि उसने अपनी जमीन का इस्तेमाल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) को पाकिस्तान में आतंकवादी हमले करने के लिए करने दिया। मंगलवार को इस्लामाबाद में एक न्यायिक परिसर के बाहर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया, जिसमें 12 लोग मारे गए और कई घायल हो गए।

इस बीच उत्तरी पाकिस्तान के वाना क्षेत्र में वाना कैडेट कॉलेज पर आतंकवादी हमले को सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया और लगभग 300 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अता तरार ने कहा कि यदि सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई नहीं की होती तो पाकिस्तान 2018 में पेशावर स्कूल हमले जैसी बड़ी घटना का गवाह बन सकता था। तीन वर्ष पहले न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला रद्द कर रही थी।

न्यूजीलैंड की टीम तब संभावित आतंकवादी हमले की विश्वसनीय खुफिया सूचना मिलने के बाद बिना कोई मैच खेले ही स्वदेश लौट गई थी। सूत्र ने कहा, 'यही कारण है कि मोहसिन नकवी व्यक्तिगत रूप से स्टेडियम गए और मेहमान टीम के सदस्यों से मिले तथा उन्हें सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया।'

मार्च 2009 में TTP आतंकवादियों ने गद्दाफी स्टेडियम के पास श्रीलंकाई टीम की बस पर हमला किया था, जिसके कारण लगभग 10 वर्षों तक पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजित नहीं किए गए क्योंकि विदेशी टीमों ने सुरक्षा चिंताओं के कारण देश का दौरा करने से इनकार कर दिया था।

सूत्र ने कहा, 'श्रीलंका की टीम की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पाकिस्तानी सेना तथा अर्धसैनिक रेंजर्स को मेहमान खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है।' रावलपिंडी में तीन एकदिवसीय मैच खेलने के बाद श्रीलंका 17 से 29 नवंबर तक टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेगा जिसमें तीसरी टीम जिंबॉब्वे की होगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बुमराह के खेलने पर संशय, अभ्यास सत्र बीच में ही छोड़कर ड्रेसिंग लौटे थे

कोलकाता । भारतीय टीम को यहां ईडन गार्डन में गुरुवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरना पड़ सकता है। इसका कारण है कि बुमराह साल 2025 की शुरुआत में लगी चोट से अब तक नहीं उबरे हैं और इसी कारण वह अभ्यास सत्र भी बीच में ही छोड़कर चले गये थे। ऐसे में उनकी फिटनेस पर संशय बना हुआ है। अभ्यास सत्र में, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ी शामिल हुए। वहीं अभ्यास सत्र के दौरान बुमराह के घुटने पर पट्टी बंधी दिखी। बुमराह ने धीमी शुरुआत की और आधे घंटे तक अभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने छोटा रन-अप किया और ड्रेसिंग रूम लौट गए। वहीं अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही सहयोगी स्टाफ में शामिल सीतांशु कोटक और मोर्ने मोर्कल भी थे। पहले टेस्ट में भारतीय टीम तीसरें नंबर पर किये उतारती है ये देखना होगा। इस नंबर के लिए साई सुदर्शन के साथ ही ध्रुव जुरेल भी कतार में हैं। शुभम गिल, यशस्वी जायसवाल और सुदर्शन ने नेट पर लंबे समय से अभ्यास किया। जिससे अंदाजा होता है कि उन्हें शामिल किया जा सकता है।

ईडन गार्डन्स की पिच से असंतुष्ट नजर आये शुभमन, क्यूरेटर से की बात

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले ईडन गार्डन की पिच से संतुष्ट नजर नहीं आये। शुभमन ने यहां टीम के कुछ खिलाड़ियों के साथ अभ्यास सत्र में भाग लिया था। इसी दौरान वह पिच की हालत देखकर नाराज हो गये। पिच पर कई दिनों से पानी नहीं पड़ा था। वह सूखी और सख्त थी। शुभमन ने तत्काल ही पिच क्यूरेटर सुजान मुखर्जी को बुलाया और उनसे इस बारे में बात की। बाद में बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) के प्रमुख सौरव गांगुली ने भी क्यूरेटर के साथ पिच को लेकर बात की। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन के अलावा गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी पिच का निरीक्षण किया और वे संतुष्ट नहीं दिखे। पिच को पिछले एक हफ्ते से बिना पानी दिए छोड़ा गया लग रहा था। बाद में शाम को दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भी अभ्यास किया और उनका जोर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास पर रहा। शाम को ही गांगुली भी मैदान में पहुंचे और उन्होंने खुद पिच को देखा और बाद में क्यूरेटर सुजान से चर्चा की। मुख्य पिच तब भी सूखी हुई थी हालांकि आस-पास में पानी जरूर छिड़कर रखा था। गांगुली पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं भारतीय टीम ने स्पिनरों के लिए सहायक पिच बनाने की कोई अपील नहीं की थी।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप से भारत की ओर से टी20 में डेब्यू करेंगे वैभव

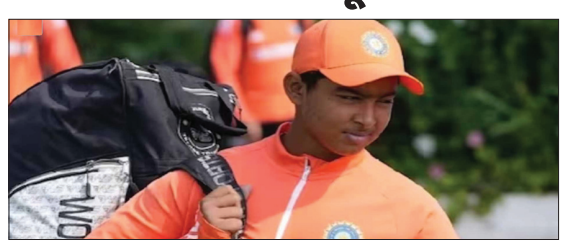

नई दिल्ली । 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी राइजिंग स्टार्स एशिया कप टी20 मुकाबले में यूएई के खिलाफ खेलते हुए दिखेंगे। इसी के साथ ही वैभव टी20 में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेलेंगे। वैभन ने इससे पहले आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। इसके बाद इंग्लैंड में अंडर-19 टीम की ओर से भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब सभी की नजरें 14 नवंबर को होने वाले राइजिंग स्टार टूर्नामेंट के इस मैच पर रहेंगी। इस मैच में वैभव के शानदार प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट को अपना अगला सितारा मिल सकता है। वैभव ने इससे पहले भारत की अंडर 19 टीम के लिए एकदिवस मुकाबले खेले हैं पर वह पहली बार टी20 मुकाबला खेलते हुए दिखेंगे। ये पहली बार होगा जब वैभव भारतीय टीम की नीली जर्सी में खेलते दिखेंगे। वैभव की ताकत उनकी बल्लेबाजी है। मैदान पर उनका जुनून और आत्मविश्वास उन्हें सभी से अलग करता है। वैभव ने अब तक कुल 8 टी20 मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 207.03 की शानदार स्ट्राइक रेट से 265 रन बनाए और उनके नाम 1 शतक और 1 अर्धशतक भी शामिल है। इस क्रिकेटर ने बिहार के लिए टी20 डेब्यू पर केवल 13 रन बना पाए थे। वहीं आईपीएल डेब्यू पर 34 रन बनाए थे। अब ये देखना है कि वैभव इंडिया ए के लिए डेब्यू करते समय कितना बड़ा स्कोर कर पाते हैं।

पीटी उषा का बड़ा ऐलान: 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर जल्द फैसला, इतिहास रचने को तैयार भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की घोषणा जल्द ही की जाएगी और 25-26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान इसकी सार्वजनिक घोषणा होने की उम्मीद है। पीटी उषा मंगलवार को साकेत स्थित डीएलएफ एवेन्यू में मौजूद थीं, जहाँ केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) के लिए किंग्स बैटन का अनावरण किया।

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की घोषणा पर बोलते हुए, पीटी उषा ने मीडिया से कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की घोषणा बहुत जल्द की जाएगी और 25-26 नवंबर को इसकी सार्वजनिक घोषणा की जाएगी। ग्लासगो में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) है... यह हमारे सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छी प्रेरणा होगी। पिछले महीने, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के कार्यकारी बोर्ड ने घोषणा की कि वह अहमदाबाद को कॉमनवेल्थ गेम्स के 2030 शताब्दी संस्करण के मेज़बान शहर के रूप में सुझाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स की आधिकारिक वेबसाइट, जो कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की भी आधिकारिक वेबसाइट है, से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अहमदाबाद को अब पूर्ण कॉमनवेल्थ स्पोर्ट सदस्यता के लिए आगे रखा जाएगा, जिसका अंतिम निर्णय 26 नवंबर 2025 को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट महासभा में लिया जाएगा। यह सिफारिश कॉमनवेल्थ स्पोर्ट मूल्यांकन समिति द्वारा एक कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद की गई है, जिसमें तकनीकी प्रदर्शन, एथलीट अनुभव, बुनियादी ढाँचा, शासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के साथ संरेखण सहित कई मानदंडों पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया गया था।

संगठन के %गेम्स रीसेट% सिद्धांतों के तहत, जो नवाचार और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अहमदाबाद (भारत) और अबुजा (नाइजीरिया) दोनों ने खेलों की मेजबानी के लिए अपनी तत्परता और दूरदर्शिता को दर्शाते हुए आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए। यह सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक क्षण का प्रतिनिधित्व करती है। 2030 के खेल, 1930 में हैमिल्टन, कनाडा में आयोजित उद्घाटन समारोह की शताब्दी का प्रतीक होंगे। ग्लासगो 2026 तेज़ी से नज़दीक आ रहा है और एथलीटों और प्रशंसकों, दोनों के लिए एक %वाह% कारक लाने का वादा करता है, आज की सिफारिश शताब्दी खेलों और उससे आगे के लिए एक रोमांचक मंच प्रदान करती है, जो दीर्घकालिक स्थिरता और गति प्रदान करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चुनाव में नेपाल को भारत से लेनी चाहिए मदद, पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने अंतरिम सरकार से किया आग्रह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने देश की अंतरिम सरकार से आग्रह किया है कि वह आगामी मार्च 2026 के आम चुनाव के लिए भारत और अन्य मित्र देशों से सक्रिय रूप से रसद सहायता प्राप्त करे। वह बोले, मौजूदा चुनौतियों और सीमित संसाधनों को देखते हुए, सरकार को चुनावों के लिए रसद प्रबंधन में सहायता के लिए भारत जैसे पड़ोसी देशों से संपर्क करने में संकोच नहीं करना चाहिए। रिजाल ने कहा, हम अभी आदर्श समय में नहीं हैं, इसलिए आज हमारे पास जो कुछ है, उसे देखते हुए हमें रसद प्रबंधन में अपनी जरूरतों का आकलन बहुत सावधानी से करना होगा। उन्होंने कहा, भारत के साथ हमारी सीमा बहुत आसान, खुली और छिद्रपूर्ण है और सीमा के उत्तरी हिस्से की तुलना में भारत से रसद बहुत आसानी से लाई जा सकती है। इसलिए उनकी मदद, उनकी प्रतिबद्धता बहुत मददगार हो सकती है। नेपाली कांग्रेस के नेता मिनेंद्र रिजाल ने कहा, हमें भारत को यह भरोसा दिलाना होगा कि यह सरकार को फिर से संगठित करने के लिए एक निवेश है। यह निवेश शासन को फिर से संगठित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि चुनाव के बाद आने वाली नई सरकार को जनता का जनादेश मिले। वह बोले, जैसे-जैसे चुनावी तैयारियां तेज हो रही हैं, हमें अंतरराष्ट्रीय साख का इस्तेमाल करना चाहिए।

जमैका के लिए राहत सामग्री ले जा रहा छोटा विमान फ्लोरिडा के पड़ोस में दुर्घटनाग्रस्त, 2 की मौत

किंग्स्टन, एजेंसी। जमैका के लिए तूफान राहत सामग्री ले जा रहा छोटा विमान फ्लोरिडा के पड़ोस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि तूफान राहत मिशन पर जमैका जा रहा एक छोटा टर्बोप्रॉप विमान सोमवार सुबह उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद फोर्ट लॉडरडेल उपनगर कोरल स्प्रिंग्स के एक आवासीय क्षेत्र में एक तालाब में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान किसी भी पीड़ित का पता नहीं चल पाया और उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान अब एक राहत अभियान बन गया है। विमान में कितने लोग सवार थे, यह तुरंत पता नहीं चल पाया है। स्थानीय मीडिया के एरियल टीवी फुटेज में उस तालाब के पास एक घर के पिछवाड़े में टूटी हुई बाड़ दिखाई दे रही है, जहां विमान गिरा था।

अमेरिका ने ड्रग्स ले जा रहे नावों पर हवाई हमला किया, 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में दो संदिग्ध नावों पर हवाई हमला किया। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि ये नाव ड्रग्स लेकर जा रहे थे। इसमें 6 लोग मारे गए हैं। यह हमला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ मुहिम का हिस्सा है। हेगसेथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि ट्रम्प के आदेश पर नावों पर हमले हुए। ये नावें आतंकवादी संगठनों से जुड़ी थीं और कोकीन तस्करी कर रही थीं। ट्रम्प प्रशासन ने सितंबर से अब तक 19 हमले किए हैं, जिसमें कम से कम 75 लोग मारे गए है। मुहिम कैरेबियन से शुरू होकर पूर्वी प्रशांत में पहुंच गई है। अमेरिका ने इलाके में नौसेना और एयरक्राफ्ट तैनात किए हैं। ट्रम्प इसे कार्टेल्स के खिलाफ युद्ध बताते रहे हैं, जो अमेरिकी शहरों में ड्रग्स और हिंसा फैलाते हैं।

चीनी राजनयिक ने जापानी प्रधानमंत्री को गर्दन काटने की धमकी दी

टोक्यो , एजेंसी। जापान ने सोमवार को चीन के एक राजनयिक की ऑनलाइन धमकी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

धमकी में सिर काटने की बात कही गई थी। यह जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के ताइवान पर बयान के बाद आई। चीनी राजनयिक शुए जियान ने शनिवार को एक्स पर कहा था, बिना किसी हिचकिचाहट बेकार गर्दन को एक सेकेंड गंवाए काट दूंगा। हालांकि पोस्ट में प्रधानमंत्री का नाम नहीं लिया गया, लेकिन ताकाइची के संसद में दिए बयान का हवाला दिया गया। यह पोस्ट अब हटा दी गई है। शुक्रवार को संसद में ताकाइची ने कहा था कि ताइवान पर हमला होने पर जापान आत्मरक्षा के तहत सेना भेज सकता है। उन्होंने कहा, ताइवान में जंग की स्थिति जापान के लिए खतरा होगी। धमकी के बाद भी सोमवार को संसद में ताकाइची ने अपना बयान वापस लेने से इनकार किया।

अमेरिका-भारत संबंध मजबूत करेंगे सर्जियो गोर; ट्रंप बोले- भारत के साथ रिश्ता सबसे महत्वपूर्ण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे अपने करीबी सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में नया राजदूत नियुक्त कर रहे हैं, ताकि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने इस पद को बड़ा और अहम दायित्व बताते हुए कहा कि गोर अब हमारे देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को सशक्त बनाने का काम करेंगे।

व्हाइट हाउस में हुआ शपथ ग्रहण समारोह : उप राष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में आयोजित एक विशेष समारोह में सर्जियो गोर को शपथ दिलाई। इस मौके पर ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट, अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

भारत के साथ हमारे अहम संबंधों को और मजबूत करेंगे : गोर के शपथ ग्रहण पर उपस्थित सभी लोगों ने तालियों और खुशी के साथ उनका स्वागत किया। ट्रंप ने गोर से हाथ मिलाते हुए कहा मैं सर्जियो पर भरोसा करता हूं कि वह भारत के साथ हमारे देश के सबसे अहम संबंधों को और मजबूत करेंगे। यह वास्तव में एक बड़ा काम है।

जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है यह जिम्मेदारी- सर्जियो गोर : शपथ ग्रहण के बाद सर्जियो गोर ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा मैं अमेरिका और भारत के बीच रिश्तों को और बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन से काम करूंगा। गोर ने ट्रंप को धन्यवाद देते हुए कहा आपके नेतृत्व में जो उपलब्धियां हुई हैं, वे ऐतिहासिक हैं। मैं आपके साथ काम करके गर्व महसूस करता हूं और आगे भी हमेशा आपके साथ रहूंगा।

ट्रंप बोले- भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक : ट्रंप ने भारत की सराहना करते हुए कहा भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और अब यह दुनिया का सबसे बड़ा देश भी है, जिसकी आबादी 1.5 अरब से अधिक है। उन्होंने आगे कहा सर्जियो इस भूमिका में शानदार काम करेंगे। भारत के राजदूत का पद बेहद महत्वपूर्ण है।

ट्रंप के करीबी और भरोसेमंद सहयोगी हैं गोर : सर्जियो गोर, ट्रंप प्रशासन में प्रेसिडेंशियल पर्सनल डायरेक्टर रह चुके हैं। अगस्त में ट्रंप ने उन्हें भारत में राजदूत और दक्षिण व मध्य एशिया के लिए विशेष दूत नियुक्त किया था। उन्होंने ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई थी। सेनेट ने अक्तूबर में गोर की नियुक्ति को मंजूरी दी थी।

भारत के लिए क्या बोले गोर : अपने सेनेट कन्फर्मेशन हियरिंग के दौरान गोर ने कहा था कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और आने वाले समय में उसकी भूमिका पूरे क्षेत्र और विश्व को प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा था कि भारत के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने से अमेरिका की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और चीन के आर्थिक दबदबे को कम करने में मदद मिलेगी।

भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत : हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध व्यापारिक शुल्क और ऊर्जा नीति को लेकर तनाव में रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50% तक टैरिफ लगाया था, जिसमें रूसी तेल की खरीद पर 25% शुल्क भी शामिल था। भारत ने इसे अनुचित और एकतरफा निर्णय बताया था, हालांकि उसने यह भी कहा कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित है।

सीमा पार से आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी के पीड़ित, भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सख्त लहजे में कहा कि देश लंबे समय से सीमा पार से आने वाले आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी का शिकार रहा है। भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा कि अब ड्रोन के जरिए भी हथियार भारत में भेजे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने 'स्मॉल आर्म्स' पर खुले विचार-विमर्श के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को ऐसे हथियारों की आवाजाही और इस्तेमाल को बढ़ावा देने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी चाहिए।

हरीश ने कहा भारत ने कई दशकों तक आतंकवाद की भयावहता झेली है। छोटे हथियारों और गोला-बारूद की अवैध तस्करी और आतंकवादी संगठनों तक इसकी पहुँच बेहद चिंता का विषय है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से भारत की मांग : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आग्रह किया कि वह आतंकवादियों और सशस्त्र समूहों को हथियार पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर और समन्वित कदम उठाए। हरीश ने कहा सुरक्षा परिषद को आतंकवाद के किसी भी रूप या उसे समर्थन देने वालों के प्रति सहिष्णुता नहीं दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हथियार प्रतिबंध संघर्ष क्षेत्रों में हथियारों के प्रवाह को रोकने का एक प्रभावी तरीका है, लेकिन इसे निष्पक्ष और सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत : भारत ने कहा कि छोटे हथियारों और हल्के हथियारों की तस्करी न केवल सुरक्षा बल्कि विकास और मानवीय पहलुओं को भी प्रभावित करती है। हरीश ने कहा कि इन पर नियंत्रण के लिए देशों को मिलकर काम करना होगा, जिससे सीमा सुरक्षा, खुफिया साझेदारी और सूचना आदान-प्रदान को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बताया कि भारत में यूएन प्रोग्राम ऑफ एक्शन (पीओए) और इंटरनेशनल ट्रेसिंग इंस्ट्रूमेंट (आईटीआई) को सक्रिय रूप से सहयोग के रूप में लागू किया जा रहा है।

पाकिस्तान, रूस में घुसकर डिफेंस टेक्नीक चुराने की कर रहा था कोशिश; भंडाफोड़

मास्को, एजेंसी। बीते मई महीने में जंग के मैदान में भारत के हाथों बुरी तरह पिटने वाला पाकिस्तान अब चोरी पर उतर आया है। अपने एयर डिफेंस सिस्टम्स की नाकामी के बाद पाकिस्तान रूस में घुसकर डिफेंस टेक्नीक चुराने की कोशिश कर रहा था। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने बीते दिनों पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ढ्ढस्ढ्ढ) द्वारा चलाए जा रहे एक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क रूस से वायु रक्षा प्रणालियों की तकनीक की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था।

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में इस मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया गया कि रूस में एक अभियान के तहत सेंट पीटर्सबर्ग में एक रूसी नागरिक को कुछ खुफिया दस्तावेजों की तस्करी करते गिरफ्तार किया गया। इन दस्तावेजों में सैन्य हेलीकॉप्टर की तकनीक और एयर डिफेंस सिस्टम डेवलप करने के लिए इस्तेमाल होने वाले दस्तावेजों से संबंधित कई जानकारियां शामिल थीं। ढ्ढस्ढ्ढ कथित तौर पर रूस द्वारा निर्मित एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणालियों से जुड़ी तकनीक की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी। गौरतलब है कि रूस में पाकिस्तान की इस करतूत का खुलासा ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीने बाद हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ बनी युद्ध जैसी स्थिति में भारत ने स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों के साथ रूस में बनी स्400 एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से पाकिस्तान की हालत पतली कर दी थी। पाकिस्तान के कायराना हमलों को इन डिफेंस सिस्टम्स ने पूरी तरह नाकाम कर दिया था। ऐसे में अब पाकिस्तान इन तकनीकों की चोरी पर उतर आया।

नेपाल में फिर भड़की हिंसा: मधेश सीएम के शपथ ग्रहण का विरोध, कार्यालय में तोड़फोड़; प्रांतीय प्रमुख बर्खास्त

काठमांडू, एजेंसी। जेन-जी के विरोध प्रदर्शन से उबर रहे नेपाल में अब मधेस में हिंसा भड़क गई है। जनकपुरधाम स्थित मधेश के मुख्यमंत्री के ऑफिस में जमकर तोड़फोड़ हुई। भारत से सटे मधेश प्रांत में सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल के नेता सरोज कुमार यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के बाद नेपाल सरकार ने प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी को उनके पद से हटा दिया है। दरअसल, एलएसपी नेता जितेंद्र सोनल को अनुच्छेद 168 (2) के तहत नियुक्त किया गया था, लेकिन वह 8 नवंबर को विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे थे। ऐसे में सरोज कुमार यादव की नियुक्ति की गई। प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुबेदी भंडारी ने महोत्तरी में बर्दीबास के एक होटल से सोमवार

तड़के 4 बजे यादव को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। हालांकि नियुक्ति पत्र रविवार की तारीख में जारी किया गया। इतना ही नहीं, केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्रित्व काल में प्रांत प्रमुख नियुक्त की गई सुमित्रा ने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की दावेदारी को नजरअंदाज कर दिया।

नेपाली कांग्रेस समेत सात दलों ने सरकार गठन के लिए भंडारी को औपचारिक सूचना दी थी लेकिन वह बीमारी का हवाला देते हुए काठमांडो चली गई थीं। हालांकि इसी दौरान, उन्होंने होटल से ही सरोज यादव को मुख्यमंत्री नियुक्त करने का पत्र जारी कर दिया और उन्हें शपथ भी दिला दी। इसके बाद नेपां, जेएसपी और लोसपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की, टायर जलाए और सड़कें जाम कर दीं। मुख्यमंत्री के चैंबर में फर्नीचर व संपत्ति को क्षति पहुंचाई। धोखे से की गई सरोज यादव की नियुक्ति : जितेंद्र सोनल एक दिन पहले ही इस्तीफा देने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जितेंद्र सोनल ने भंडारी पर आरोप लगाया कि उन्होंने काठमांडो में मेडिकल उपचार के लिए जाने का नाटक कर चुपके से सरोज यादव को नियुक्त कर मधेश के लोगों के साथ धोखा किया है। यूएमएल गठबंधन से अलग होने के बाद माओवादी सेंटर और मधेश आधारित पार्टियों के साथ मिलकर नई सरकार बनाने की तैयारी कर रही नेपाली कांग्रेस ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की है। पार्टी महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मधेस प्रांत में जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह राजनीति विरोधी कदम सिर्फ संघवाद के प्रति लोगों की निराशा को और बढ़ाएगी। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने भी कहा कि जब आर्टिकल 168 (2) के तहत सरकार बन सकती थी, तब भी यह नाटक किया गया। हम उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका इसे ठीक करेगी।

खूंखार अपराधियों का तांडव, इक्काडोर की जेल में फांसी पर लटके मिले दर्जनों कैदी

इक्काडोर, एजेंसी। दक्षिण अमेरिका के इक्काडोर में एक बेहद खतरनाक घटना सामने आई है। यहां की मचला जेल में दंगों के बाद कम से कम 31 कैदी फांसी पर लटके पाए गए। जेल के अधिकारियोंका कहना कहना है कि चार कैदियों को गोली मार दी गई थी। बाकी कैदियों को फांसी पर लटकाकर या फिर गला घोंटकर मार दिया गया। इक्काडोर के गृह मंत्री ने बताया कि शाम को करीब 6 बजे कैदियों के शव लटके हुए पाए गए थे। विरोधी गैंग ने उन्हें मारकर लटका दिया। उन्होंने कहा कि इस जेल में करीब 1000 कैदी थे। इस घटना के बाद देश में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है।

क्यों हुआ था दंगा : रिपोर्ट्स के

मुताबिक ड्रग्स स्मग्लिंग के सरगनाओं की जेल बदलने को लेकर यह दंगा हुआ था। जेल में बंद कैदियों के गैंग का कहना था कि उन्हें ट्रांसफर ना किया जाए। वहीं सरकार ने गुयाकिल की जेल में उन्हें ट्रांसफर करने का फैसला किया था। गृह मंत्री ने बताया कि अब तक 300 खूंखार कैदियों को नई जेल में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें कि इक्काडोर की इस जेल में अकसर दंगे होते हैं। 2020 से अब तक कम से कम 500 कैदी इस जेल में मारे जा चुके हैं।

इक्काडोर की गिनती दुनिया के बेहद खतरनाक देशों में होती है। राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने कई संगठनों को आतंकी संगठन घोषित किया है और कई अपराधियों को प्रत्यर्पित किया है। ऐसे में ये संगठन और भी हिंसक हो गए हैं। बता दें कि अप्रैल में ही इक्काडोर में चुनाव करवाए गए थे। नोबोआ ने अपने प्रतिद्विंद्वी लुइसा गोंजालेज को हराया था। उनके बीच मतों का अंतर भी बेहद कम था। चुनाव के दौरान भी हिंसा की खबरें सामने आई हैं। इक्काडोर में रोजगार और अपराध बड़ी समस्या बने हुई है। नोबोआ एक दक्षिणपंथी नेता हैं। वह कानून व्यवस्था को लेकर कड़े फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

वायरल टिकटॉकर को बीच चौराहे गोलियों से भूना, जिहादियों ने लाइव स्ट्रीमिंग के समय किया था अगवा

बामको, एजेंसी। माली में एक युवा टिकटॉकर की सरेआम हत्या ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी है। जानकारी के मुताबिक आंतरिक संघर्षों से जूझ रहे माली में हाल ही में मारियम सिसे नाम की सोशल मीडिया स्टार की किडनैपिंग के बाद सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी गई। कथित तौर पर यह हत्या जिहादी समूहों ने की। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि मारियम पर आरोप था कि वह माली की सेना की मदद करती है। इस घटना से पूरा देश में सहम उठा है। बता दें कि माली 2012 से जिहादी हिंसा का सामना कर रहा है।

पीड़ित मारियम सिसे के टिकटॉक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर थे। वह अक्सर अपने इलाके की जिंदगी के वीडियो शेयर करती थी और कई बार सेना के समर्थन में भी पोस्ट करती थी। उसके परिवार के मुताबिक बीते गुरुवार को जिहादियों ने उसे यह कहते हुए पकड़ लिया कि वह सेना को उनकी गतिविधियों की जानकारी दे रही है। उसके भाई ने बताया कि मारियम उस समय शहर के बाजार में लाइव-स्ट्रीम कर रही थी, तभी उसे उठा लिया गया।

अगले दिन मारियम को मोटरसाइकिल से टोंका लाया गया। यहां चौराहे पर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी समय उसका भाई भी वहां मौजूद भीड़ में था। एक सुरक्षा सूत्र ने बताया कि जिहादियों ने आरोप लगाया कि मारियम ने उनका वीडियो बनाकर सेना को भेजा था।

माली मे बिगड़े हालात

यह घटना ऐसे समय हुई है जब देश की सैन्य सरकार जिहादी हिंसा को रोकने में संघर्ष कर रही है। हाल के हफ्तों में अल-कायदा से जुड़े समूह जेएनआईएम ने ईंधन आपूर्ति पर रोक लगा दी है, जिससे आम लोगों की जिंदगी पर बड़ा असर पड़ा है। इस बीच अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने हाल ही में एक बयान में कहा कि हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिहादी समूहों की वजह से जरूरी सामान की आपूर्ति बाधित हो रही है और आम लोगों के लिए हालात बहुत कठिन हो गए हैं। उन्होंने निर्दोष नागरिकों पर हमलों की निंदा की है और कहा है कि अफ्रीकी संघ माली और पूरे साहेल क्षेत्र की मदद के लिए हमेशा तैयार है।

शेख हसीना ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट की कड़ी निंदा की, आतंकवाद को मानवता का दुश्मन बताया

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए भीषण हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य बताया। हसीना की यह टिप्पणी सोमवार शाम दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी कार में हुए विस्फोट के बाद आई है। विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं। विस्फोट के प्रभाव से आस-पास के कई वाहन आग की चपेट में आ गए और आसपास की स्ट्रीट लाइटें और खड़ी कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। हसीना ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। हसीना द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, आधुनिक दुनिया में चरमपंथी आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। ये चरमपंथी आतंकवादी समूह एक धर्मनिरपेक्ष, मानवीय और कल्याणकारी राज्य की नींव पर प्रहार करते हैं। पाकिस्तान में जड़ें जमाए ये आतंकवादी समूह बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों में अपने नेटवर्क में घुसपैठ कर चुके हैं और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करने के लिए भारत में हमले कर रहे हैं। यह बयान अवामी लीग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया था। उन्होंने आगे कहा, हमें इन आतंकवादियों का विरोध करना चाहिए और लोगों के बीच संबंध मजबूत करके दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखनी चाहिए। बांग्लादेश अवामी लीग आतंकवाद के खिलाफ इस सैद्धांतिक संघर्ष में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पूरा समर्थन देती है। हसीना ने इस बात पर जोर दिया कि मानवता के खिलाफ ऐसे जघन्य अपराधों के लिए आज की सभ्य दुनिया में कोई जगह नहीं है और न ही वे माफी के हकदार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद की जड़ें जहां कहीं भी हों, उन्हें

जड़ से मिटा दिया जाना चाहिए। हसीना ने कहा, बांग्लादेश और अन्य जगहों पर इन आतंकवादी समूहों का समर्थन करने वाले लोग मानवता के दुश्मन हैं और हम उनकी कड़ी निंदा भी करते हैं। उन्होंने भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर संभव सहयोग का वादा किया। हसीना ने कहा, हम आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ अपने रुख पर अडिग हैं। हमारा मानना है कि इन आतंकवादी समूहों की हार से न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा होगी और दुनिया सुरक्षित बनेगी।

इंडोनेशिया में पूर्व तानाशाह को राष्ट्रनायक का दर्जा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने सोमवार को अपने पूर्व तानाशाह सुहार्तो को राष्ट्रीय नायक घोषित किया। इससे मानवाधिकार संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकार इस कदम से सुहार्तो के शासनकाल के दौरान हुए मानवाधिकार हनन और भ्रष्टाचार को सफेद करने की कोशिश कर रही है। सुहार्तो 32 वर्षों तक सत्ता में रहें। इस दौरान लाखों राजनीतिक विरोधियों की हत्या की गई थी। इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय नायक दिवस पर सम्मानित किया। संस्कृति मंत्री फदली जोन ने कहा कि सुहार्तो ने डच औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और गरीबी व मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में योगदान दिया था। उन्होंने भ्रष्टाचार और मानवाधिकार हनन के आरोपों को निराधार बताया। राष्ट्रपति प्रबोवो, जो कभी सुहार्तो के दामाद थे, समारोह के बाद चुप रहे। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि यह फैसला तानाशाही शासन को वैध ठहराने की कोशिश है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंगाल और तमिलनाडु ने की एसआईआर पर रोक की मांग, सुनवाई 26 को

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा- वे एसआईआर में सुधार के सुझाव दे सकते हैं

नई दिल्ली

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के सियासी दलों और नेताओं ने याचिका दाखिल की है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई की। अब सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप सभी को एसआईआर प्रक्रिया को हर मतदाता तक पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके बाद अंतरिम रोक की मांग पर नोटिस जारी करके चुनाव आयोग से 24 नवंबर तक जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।

डीएमके और टीएमसी याचिकाकर्ताओं की आरे से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की तो कोर्ट ने हैरानी जताई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जयमाल्या बागची की युगलपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता मतदाता सूची में सुधार का विरोध क्यों कर रहे हैं? पीठ ने आगे कहा कि वे एसआईआर में सुधार के सुझाव दे सकते हैं। सिब्बल ने तर्क दिया कि जब उत्तर पूर्व मानसून सक्रिय होता है तो राज्य में नवंबर और दिसंबर में भारी बारिश होती है। ऐसे में बीएलओ/ईआरओ/एईआरओ की ड्यूटी बाढ़ राहत में लगी होगी। लोग भी बाढ़ की तैयारी में होंगे। ऐसे में यह समय एसआईआर के लिए उपयुक्त नहीं है।

एक अन्य तर्क में सिब्बल ने कहा कि दिसंबर और जनवरी में फसल कटाई का समय होता है। इस वक्त ज्यादातर किसान एसआईआर में हिस्सा लेने की खातिर अपने घरों पर उपलब्ध नहीं होंगे। आगे क्रिसमस और पोंगल की छुट्टियां हैं।

इस सभी वजह से लोग 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक उपलब्ध नहीं होंगे। कपिल सिब्बल ने दावा किया कि पहले एसआईआर लंबे समय तक चलाया जाता था, जबकि अब चुनाव आयोग इसे केवल एक महीने तक चला रहा है। इससे

लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

टीएमसी सांसद अपनी याचिका में तर्क दिया कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में 4जी और 5जी मोबाइल सेवा उपलब्ध नहीं है। इस कारण चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपना डेटा अपलोड करने और सुधार करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली धमाके में हुई 8 शवों की पहचान..... 2 अन्य बॉडी की पहचान बनी चुनौती

एक बॉडी का सिर मौजूद नहीं, एक पेट का हिस्सा

नई दिल्ली

दिल्ली धमाके में मरने वालों में 10 में से 8 लोगों की पहचान हुई है। लेकिन दिल्ली पुलिस, एनआईए सहित अन्य एजेंसियों के सामने 2 अन्य बॉडी के पहचान की चुनौती है। ये बॉडी हालत में हैं जहां प्रचलित तौर तरीकों की मदद से इनकी पहचान स्थापित करना करीब असंभव है।

एक बॉडी ऐसी है जिसका सिर ही मौजूद नहीं है। जबकि 2 सिर्फ बॉडी पार्ट्स ही है। इसमें एक पेट का हिस्सा है और दूसरी कटी उंगलियां हैं। इसके बाद इन दो शवों की पहचान असंभव है। जांच एजेंसियों के सामने अब डीएनए टेस्ट का ही विकल्प है। गौरतलब है कि जांच एजेंसियों ने ब्लास्ट के अहम किरदार डॉ उमर मोहम्मद की मां का डीएनए सैंपल लिया है, ताकि इसका मिलान घटनास्थल पर मिले शव के टुकड़ों से हो सके। इससे ये भी सवाल उठता है कि क्या दिल्ली धमाके में आतंकी डॉ उमर मारा गया है। पहले दावा किया गया था कि धमाके के वक्त कार में तीन लोग सवार थे। हालांकि अब सीसीटीवी की मदद से साफ हुआ हैं कि ब्लास्ट के दौरान कार में डॉ उमर मोहम्मद ही था और वहीं कार चला रहा था। एफआईआर के अनुसार विस्फोट इतना ताकतवार था कि कार जमीन से कई फीट ऊपर उछल गई और पुलिस चौकी की दीवार और छत क्षतिग्रस्त हो गई।

जांच एजेंसियों को कार में कुछ शवों के अंग भी मिले हैं। इस घटना में जान गंवाने वाले जिन 8 व्यक्तियों की पहचान हुई है वे मोहसिन, मेरठ निवासी, अशोक कुमार, बस कंडक्टर, अमरोहा, लोकेश, अमरोहा, दिनेश मिश्रा, श्रावस्ती, पंकज, ओला-उबर ड्राइवर, अमर कटारिया, श्रीनिवासपुरी, नौमान अंसारी, रिक्शा चालक, मोहम्मद जुम्मान, रिक्शा चालक के नाम शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि लाल किले के पास हुए विस्फोट की शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह विस्फोट तब गलती से हुआ होगा जब एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद जल्दबाजी में बने एक्सप्लोसिव डिवाइस को ले जाया जा रहा था। जांचकर्ताओं ने पुलवामा के एक डॉक्टर उमर मोहम्मद पर ध्यान केंद्रित किया है, जो उस विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार चला रहा था।

26 जनवरी व दीपावली पर विस्फोट करने की योजना थी, लाल किले की थी रेकी

संदिग्ध डॉ. मुजम्मिल से पूछताछ में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली

दिल्ली ब्लास्ट मामले में जांच एजेंसियों को पता चला है कि इस ब्लास्ट के दोनों संदिग्धों डॉ. मुजम्मिल और डॉ. उमर ने लाल किले की रेकी की थी। मुजम्मिल से पूछताछ में यह बड़ा खुलासा हुआ। मुजम्मिल और उमर दोनों ने इस साल जनवरी के पहले हफ्ते में यह रेकी की थी। मुजम्मिल के फोन के डंप डाटा से यह जानकारी मिली है। पूछताछ में ये भी पता चला है कि 26 जनवरी पर लाल किले को टारगेट करना इनकी प्लानिंग का हिस्सा था। ये दिवाली पर भी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विस्फोट से पहले अरुणा आसफ अली रोड पर भी करीब 30 से 40 मिनट तक कार खड़ी नजर आई है। उमर उस वक्त भी कार में बैठा था और अकेला था। उमर ने अपना फोन 31 अक्टूबर को स्विच ऑफ कर लिया और उसकी लास्ट लोकेशन फरीदाबाद की यूनिवर्सिटी में पाई गई।

अब तक के सीसीटीवी फुटेज और रूट की मैपिंग में उमर फोन इस्तेमाल करते हुए नजर नहीं आया। ऐसे में सवाल यह खड़ा होता है कि क्या पहले से सब कुछ तय था कि बिना फोन के लाल किले तक विस्फोटक लेकर जाना है या फिर उमर कोई दूसरा सिम कार्ड इस्तेमाल कर रहा था और विस्फोट में वह फोन भी नष्ट हो गया। हर एंगल पर जांच की जा रही है। विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट के साथ पेंटाएरिथ्रिटोल केमिकल का इस्तेमाल होने का भी शक है।

एग्जिट पोल्स को नकारते हुए तेजस्वी ने कहा, लोगों ने नीतीश सरकार के खिलाफ बंपर वोटिंग की

पटना

बिहार चुनाव 2025 के रिजल्ट से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद ने एग्जिट पोल्स को नकारते हुए कहा कि ये सबकुछ पीएमओ के आदेश पर हो रहा है। मतदान के दिन मतगणना अधिकारियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की कोशिश में हो रहा है। सैम्पल सर्वे कोई नहीं बता रहा है। इसका मानक क्या है। उन्होंने कहा कि इस बार बदलाव होने जा रहा है। 14 को परिणाम और 18 नवंबर को शपथ ग्रहण होगा। भाजपा, एनडीए के लोग बौखलाहट में हैं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि 2020 की तुलना में इस बार 72 लाख लोगों ने अधिक मतदान किया है। हर विधनासभा में 30 हजार से अधिक लोगों ने मतदान किया। यह वोट एनडीए सरकार बचाने का नहीं है, बल्कि सरकार को बदलने के लिए लोगों ने बढ़चढ़कर मतदान किया है। पिछली बार मतगणना को स्लो करने की कोशिश हुई।

पिछली बार बेईमानी हुई। इस बार क्लीन स्वीप है। इस चुनाव में महागठबंधन की भारी जीत होगी। हमारे लोग वोट चोरी रोकने वाले हैं, जो भी कुर्बानी देनी पड़े। काउंटिंग में बेईमानी नहीं होने दी जाएगी। बिहार में इस बार नौकरी देने वाली सरकार आएगी। कलम राज स्थापित होगा। काउंटिंग में बेईमानी होगी तो जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। बिहार के लोग

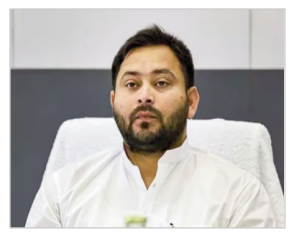

लोकतंत्र को समाप्त नहीं होने देने वाले है। तेजस्वी ने दावा किया कि हमें बहुत ही सकारात्मक सूचना मिली है। 1995 से भी बेहतर फीडबैक मिला है। सभी लोगों ने भारी मतदान किया।

दिल्ली विस्फोट की जिम्मेदारी लेकर अमित शाह दें पद से इस्तीफा केसी वेणुगोपाल

तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से इसकी जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग की है। वेणुगोपाल ने बुधवार को सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के खिलाफ सचिवालय तक कांग्रेस के विरोध मार्च की शुरुआत की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दिल्ली ब्लास्ट को गंभीर सुरक्षा चूक बताया। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह विस्फोट प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की नाक के नीचे हुआ है, इसलिए नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में केसी वेणुगोपाल ने कहा, यह राष्ट्रीय राजधानी में हुआ है। यह गंभीर सुरक्षा चूक है। हमारे गृह मंत्री संसद में हमेशा कहते रहते हैं कि यहां कोई विस्फोट और दंगे नहीं हुए हैं। वे हर बार झूठ बोलते हैं। अब उनकी आंखों के सामने, उनके कार्यालय के पास यह विस्फोट हुआ है। उचित जांच होनी चाहिए और देश को असली कारण बताया जाना चाहिए।÷ बिहार विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल पर वेणुगोपाल ने

चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, आप पिछले चुनावों से देख रहे हैं कि चुनाव आयोग आंकड़े जारी नहीं कर रहा है। आमतौर पर यह उसी रात प्रकाशित होता था। अब वे लिंग-विशिष्ट मतदाता आंकड़े जारी नहीं कर रहे हैं। चुनाव आयोग एक समझौतावादी आयोग है। हमने इसे कई बार स्थापित किया है। बिहार में दो चरणों में मतदान संपन्न हुआ। 6 नवंबर को पहले चरण में करीब 65.08 प्रतिशत और 11 नवंबर को दूसरे चरण में 69.12 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। 14 नवंबर को मतगणना होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातियों का गौरव लौटाया: सीएम मोहन यादव

भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जनजातीय वर्ग के लिए चलाई जा रही योजनाओं को बदलाव का संदेश देने वाला बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय वर्ग का गौरव लौटाया है। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव वर्ष के उपलक्ष्य में केंद्र एवं राज्य सरकारों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ऑल इंडिया एनजीओ मीट में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश जनजातियों का घर है। देश में सबसे ज्यादा जनजातियां मध्य प्रदेश में निवास करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनजातियों का गौरव लौटा है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी उन्हें पूज रहे हैं। आज राष्ट्रपति भवन से लेकर गांवों के पंचायत भवनों तक जनजातीय भाई-बहनों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है। पीएम जन-मन और धरती आबा जैसे अभियान जनजातीय भाई-बहनों के सशक्तिकरण का आधार बन रहे हैं। गरीब कल्याण के लिए चलाई जा रही अनेक योजनाओं से जनजातीय

भाई-बहनों का जीवन आसान हुआ है। पेसा नियमों ने जनजातीय भाई-बहनों को सशक्त बनाया है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि हम गौरव से भरे हैं कि मध्य प्रदेश, देश का सर्वाधिक जनजातीय आबादी वाला प्रदेश है। प्रदेश में जनजातीय वर्ग की 21 प्रतिशत आबादी निवास करती है। जनजातीय वर्ग के लोग प्रकृति का संरक्षण करते हुए इसी की छाया में अपना जीवन बिताते हैं। इन सभी जनजातियों के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

उत्तराखंड कांग्रेस संगठन में फेरबदल

27 नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए

नई दिल्ली

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए उत्तराखंड में तत्काल प्रभाव से 27 नए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की नियुक्ति की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अनुमोदन और महासचिव केसी वेणुगोपाल की तरफ से मंगलवार को घोषित इस फैसले के बाद उत्तराखंड पार्टी संगठन में बड़ा बदलाव किया है। कांग्रेस ने इस क्रम में भूपेंद्र सिंह भोज को अल्मोड़ा और अर्जुन चंद्र भट्ट को बागेश्वर की जिम्मेदारी सौंपी है। सुरेश डिमरी को चमोली और चिराग सिंह फर्त्याल को चंपावत का अध्यक्ष नियुक्त किया है। देहरादून शहर में डॉ. जसविंदर सिंह गोगी समिति का नेतृत्व करेंगे, जबकि गोविंद सिंह बिष्ट को हल्द्वानी शहर का प्रभार सौंपा गया है।

शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिलेंगे, जहां अलका पाल को काशीपुर शहर और ममता रानी को रुद्रपुर शहर का प्रभार सौंपा है। उत्तम असवाल देवप्रयाग और मनोहर सिंह टोलिया डीडीहाट का नेतृत्व करेंगे। हरिद्वार जिले की जिम्मेदारी बालेश्वर सिंह को सौंपी है, जबकि अमन गर्ग को नगर इकाई की जिम्मेदारी दी गई है। विकास नेगी और मीना देवी को क्रमशः कोटद्वार और कोटद्वार नगर की जिम्मेदारी सौंपी है।

राहुल छिम्वाल नैनीताल, संजय किशोर पछवादून और मोहित उनियाल परवादून की जिम्मेदारी संभालेंगे। विनोद सिंह नेगी पौड़ी गढ़वाल, मुकेश पंत पिथौरागढ़ और दिनेश चौहान पुरोला की जिम्मेदारी संभालेंगे।

दीपक किरोला रानीखेत, फुरकान अहमद रुड़की और राजेंद्र कुमार चौधरी रुड़की शहर की जिम्मेदारी संभालेंगे। कुलदीप कंडारी रुद्रप्रयाग, मुरारी लाल खंडवाल टिहरी गढ़वाल, हिमांशु

गाबा उधमसिंह नगर और प्रदीप सिंह रावत उत्तरकाशी की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब कांग्रेस उत्तराखंड में अपने संगठनात्मक ढांचे का पुनर्निर्माण करना चाहती है, जहां उसे हाल के वर्षों में चुनावी झटकों का सामना करना पड़ा है।

एआईसीसी ने नवनियुक्त अध्यक्षों को सदस्यता अभियान शुरू करते हुए तुरंत ब्लॉक और मंडल समितियों का गठन करने का निर्देश दिया है। जवाबदेही तय करने के लिए नियमित रूप से प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी।

बिहार में वोटिंग के बाद, बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव पर बीजेपी का फोकस

भाजपा ने मुंबई इकाई में चार नए महासचिव नियुक्त किए

मुंबई

बिहार में विधानसभा चुनाव संपन्न होते ही भाजपा ने अब अपना फोकस अगले साल होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव पर केंद्रित कर दिया है। इसी कड़ी में पार्टी ने बड़ा संगठनात्मक फेरबदल किया है। महाराष्ट्र में राज्य की सत्ता में काबिज भाजपा ने मुंबई इकाई में चार नए महासचिव नियुक्त किए हैं। इसमें राजेश शिरवाडकर, गणेश खापरकर, आचार्य पवन त्रिपाठी और श्वेता पारुलेकर शामिल हैं। ये नियुक्तियां भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष और विधायक अमीत साटम ने की हैं।

बता दें कि जनवरी 2026 में बीएमसी चुनाव होने हैं। सभी दलों ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य का सत्ताधारी गठबंधन

महायुति मिलकर चुनाव लड़ने की बात कह रहा है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी में मुद्दे पर एकता नहीं दिखाती। अभी दो दिन पहले हीं महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव अपने दम पर लड़ेगी।

उन्होंने कहा, हमारे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के नेताओं ने फ़ैसला किया है कि हम स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ने वाले है। आलाकमान से चर्चा के बाद स्थानीय स्तर पर यह फ़ैसला लिया गया है। हमें बीएमसी में हमेशा 30 से 35 सीटें मिलती हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई के मुंब्रा में एटीएस ने की छोपमारी, अलकायदा नेटवर्क का हुआ खुलासा

मुंबई दिल्ली में हुए धमाके के बाद पूरे देश को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इसी के तहत आतंकियों की तलाश में छापेमारी शुरू हो गई है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करे हुए अलकायदा से जुड़े संदिग्धों को अरेस्ट किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एटीएस ने एक सीक्रेट इंटेल के आधार पर पहली कार्रवाई पुणे शहर में की थी। इस कार्रवाई के दौरान एटीएस ने आतंकी संगठन अलकायदा से जुड़े कुछ संदिग्धों को पकड़ा था। आरोपियों से पूछताछ में मुंबई के मुंब्रा इलाके में छिपे कुछ संदिग्धों के बारे में जानकारी मिली। पुणे से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की निशानदेही पर एटीएस ने मुंब्रा इलाके में छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि एटीएस को वहां से कुछ संदिग्ध सामान भी मिला है। टीम फिलहाल बरामद सामान की जांच कर रही है। मौके से गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ जारी है। माना जा रहा है कि यह नेटवर्क राज्य से बाहर तक फैला हो सकता है।

वित्त मंत्री फर्जी हस्ताक्षर वाले दस्तावेज का इस्तेमाल महिला से 99 लाख की ठगी

नई दिल्ली डिजिटल अरेस्ट के जरिए की गई एक बड़ी धोखाधड़ी को उजागर करती है, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के फर्जी हस्ताक्षर वाले दस्तावेज का भी इस्तेमाल हुआ है। घटना में महाराष्ट्र के पुणे में रहने वाली एक रिटायर्ड एलआईसी महिला कर्मचारी है। इस ठगी में महिला को 99 लाख रुपये की चपत लगी है। महिला को डेटा प्रोटेक्शन एजेंसी के अधिकारी का फोन आया, जिसने आरोप लगाया कि उनके आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर का इस्तेमाल संदिग्ध लेन-देन के लिए हो रहा है। इसके बाद वीडियो कॉल पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी (जॉर्ज मैथ्यू नाम बताया) से बात कराई गई। आरोपी ने महिला पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया और बैंक खाते फ्रीज करने की धमकी दी। जालसाजों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के फर्जी हस्ताक्षर वाला एक दस्तावेज़ दिखाया। विश्वास जीतने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की फर्जी रसीद भी दिखाई। महिला को उनकी उम्र का हवाला देकर डिजिटल अरेस्ट में रखने की बात कही गई और यह विश्वास दिलाया गया कि उन्हें पूरा पैसा आरबीआई के खाते में डालना होगा। पैसे ट्रांसफर करने के बाद जब महिला ने जालसाजों से संपर्क करने की कोशिश की, तब उनके फोन बंद मिले, जिसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साइबर पुलिस ने इसे वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के दस्तखत दिखाकर धोखाधड़ी करने का एक चिंताजनक मामला बताया है।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी में 6 अमेरिका से.....फ्रांस से इकलौते बर्नार्ड अरनॉल्ट

मुंबई दुनिया के टॉप 10 सबसे अमीर व्यक्तियों की नई सूची जारी हो गई है, इसमें लग्जरी ब्रांड्स के किंग बर्नार्ड अरनॉल्ट ने अपनी खास जगह बनाई है। इस लिस्ट में अब केवल 7 अरबपति हैं, जिनकी संपत्ति 200 अरब डॉलर से ज्यादा है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें से 6 अमेरिकी अरबपति हैं, जबकि फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट टेक सेक्टर से इतर होने के बावजूद 200 अरब डॉलर क्लब में शामिल हैं। जहां अमेरिकी दिग्गज कारोबारी एलन मस्क 457 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। हाल ही में उनकी संपत्ति में 4 अरब डॉलर की गिरावट हुई थी, लेकिन साल की शुरुआत से अब तक उन्होंने 24 अरब डॉलर का उछाल पा लिया है। दूसरे स्थान पर ओरेकल के लैरी एलिसन हैं, जिनकी कुल संपत्ति 295 अरब डॉलर है। तीसरे नंबर पर अमेजन के जेफ बेजोस हैं, जिनका नेटवर्थ 269 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः गूगल के लैरी पेज (251 अरब डॉलर) और सर्गेई ब्रिन (235 अरब डॉलर) हैं। फेसबुक के मार्क जुकरबर्ग 222 अरब डॉलर के साथ छठे स्थान पर हैं। वहीं फ्रांसीसी बिजनेसमैन बर्नार्ड अरनॉल्ट 200 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में सातवें स्थान पर हैं। वे एलवीएमएच (एलवीएमएच मोएट हेनेसी लुई वुइटन) के चेयरमैन और सीईओ हैं। उनके ग्रुप के पोर्टफोलियो में लुई वुइटन, टिफनी एंड कंपनी, डायर, गिवेंची, टैग ह्यूअर और बुल्गारी जैसे लग्जरी ब्रांड शामिल हैं। अरनॉल्ट का जन्म 5 मार्च 1949 को हुआ था और वे आज दुनिया के सबसे प्रभावशाली बिजनेस टाइकून में से एक माने जाते हैं।